जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 334 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 6 अक्टूबर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

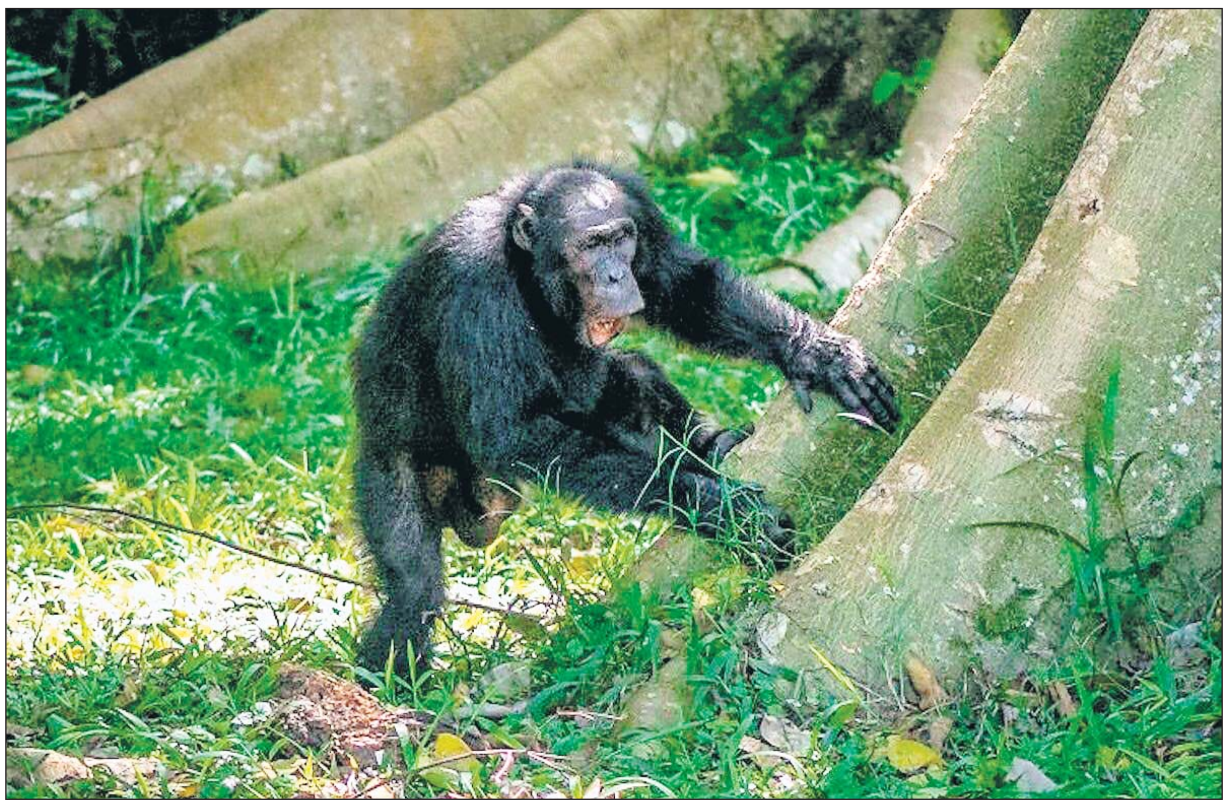

*युगांडा के वर्षावन में एक दिन एक रोचक नजारा दिखाई दिया। एक नर चिम्पैंज़ी तेज आवाज निकालते हुए पेड़ की तरफ दौड़ा। फिर पेड़ पर नीचे जड़ की तरफ अपने पैरों से रिद्म के साथ प्रहार करने लगा। स्कॉटलैंड में युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की प्राइमटॉलजिस्ट कैथरीन होबेटर ने बताया कि, ''जब आप हाथ या पैर से जड़ पर जोरदार प्रहार करते हैं तो गहरी गूंजती हुई आवाज निकलती है, जो जंगल में दूर तक सुनाई देती है।'' वैज्ञानिक चिम्पैंज़ी के ड्रम बजाने जैसे व्यवहार के बारे में वर्षों से जानते हैं लेकिन हाल ही में एनिमल बिहेवियर जर्नल में छपे एक शोध में बताया गया है कि, हरेक नर का ड्रम बजाने का अपना विशिष्ट तरीका होता है और इसका इस्तेमाल वो सूचना देने के लिए करता है, जैसे कि वो कहां है और क्या कर रहा है। रिसर्च टीम ने 8 चिम्पैंज़ी के बीच के लम्बी दूरी के 273 संवाद रिकॉर्ड किए। उन्होंने चिम्पैंज़ी द्वारा बजाए गए ड्रम की अकूस्टिक संरचना का विश्लेषण किया, और उनकी अवधि, बीट्स की संख्या, दो बीट्स के बीच का समय आदि का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि, चिम्पैंज़ी जब यात्रा कर रहे होते हैं या जब छोटे-छोटे समूहों में होते हैं तब ही ड्रमिंग करते हैं। यात्रा के दौरान ड्रमिंग दो चिम्पैंज़ी के बीच के अन्तर को बताती है और ये आवाज़ें दूरस्थ समूह के सदस्यों को सम्पर्क करने का संदेश देने के लिए भी हो सकती हैं। मुख्य शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ विएना की वैज्ञानिक वेस्ता एलोतेरी ने कहा, ''संक्षेप में यह व्यवहार चिम्पैंज़ी के सोशल मीडिया की तरह है। हमने यह भी पाया कि चिम्पैंज़ी जब अकेले होते हैं या छोटे समूह में होते हैं तब ड्रम ज्यादा बजाते हैं शायद वे दूसरों को आमंत्रित करते हैं। इसी प्रकार जब वे यात्रा नहीं कर रहे होते हैं या अकेले होते हैं तब अपनी विशिष्ट ध्वनि नहीं बजाते, क्योंकि तब वे अपनी पहचान छुपा लेना चाहते हैं। इस नए शोध से यह रहस्य सुलझाने में मदद मिलेगी कि एक दूसरे से मिलने पर चिम्पैंज़ी अभिवादन क्यों करते हैं और अलग होने पर गुडबाय क्यों नहीं करते।*

## राष्ट्रपति शी अपने आपको ''चेयरमैन'' का ओहदा देंगे, पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस में

### यह ओहदा पहले, आधुनिक चीन की स्थापना करने वाले जन नेता माओ को ही मिला था, 1976 में उनके स्वर्गवास होने तक तथा 1982 में यह पद खत्म कर दिया गया थाजाने माने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आगामी 16 अक्टूबर को चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग चेयरमैन का तमगा हासिल कर लेंगे और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में वे पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट कहती है कि नैशनल कांग्रेस में राष्ट्रपति शी जिंनपिंग तीसरी बार 5 साल का कार्यकाल हासिल करेंगे और स्वयं के लिए माओ युग के टाइटल ''चेयरमैन'' को पुनर्जीवित करेंगे और पार्टी में स्वयं के लिए आजीवन सर्वोच्च पद हासिल कर लेंगे। इसके लिए संविधान के संशोधन करेंगे और राष्ट्रपति के लिए कार्यकाल पर लगी सीमा खत्म कर देंगे।

- उस समय चेयरमैन को काफी व्यापक अधिकार प्राप्त थे, जैसे चीन की सेना का कमाण्ड।
- माओ के समय, चीन में ''माओ के विचार'' नाम से माओ की फिलॉसफी व सोच का संग्रह ''रैड बुक'' के रूप में अधिकृत रूप से प्रचारित व प्रकाशित की जाती थी।
- उसी तर्ज पर अब ''शी जिंगपिंग के विचार'' प्रकाशित किये गये हैं। तथा स्कूलों, अखबारों में, टेलीविजन पर, इंटरनैट पर, होर्डिंग्स व बैनर-पोस्टर के माध्यम से प्रसारित किये जा रहे हैं।
- राष्ट्रपति शी प्रारंभ से ही माओ की पर्सनल ब्राण्ड वाली राजनीतिक सोच के कट्टर अनुयायी हैं और अब चीन के आर्थिक रूप से सशक्त बनने के बाद, राष्ट्रपति शी ने नारा दिया है कि, चीन समूह ही नई राजनीतिक व सैन्य तैयारी की दृष्टि से विश्व का ''नम्बर वन'' देश होना चाहिये।

इसी बीच यह खबरें भी मिल रही हैं कि माओ शैली का व्यक्तिवाद पनप रहा है। संस्थाएं और राजनैतिक व्यक्ति शी के प्रति पूर्ण निष्ठा घोषित कर रहे हैं। शी खुद भी माओ के शिष्य रहे हैं और उनकी विचारधारा पर चलते हैं।

माओ के पास चेयरमैन टाइटल था, जिसे आधुनिक चीन का जनक माना जाता है वह आजीवन 1976 में अपनी मृत्यु तक चेयरमैन रहा था। वर्ष 1982 में इस टाइटल को खत्म कर महासचिव टाइटल लाया गया। उस समय संविधान

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## गठन के बाईस साल बाद टी.आर.एस., बी.आर.एस. में परिवर्तित

### तेलंगाना के मु.मंत्री के.सी.आर. ने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा की यात्रा में पहला ठोस कदम उठाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने आज पूर्व निर्धारित मुर्हूत, अपरान्ह 1:19 बजे अपने क्षेत्रीय राजनैतिक दल ''तेलगांना राष्ट्र समिति'' को एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल का स्वरूप दे दिया तथा उसका नाम बदलकर ''भारत राष्ट्र समिति'' कर दिया। यह घोषणा उन्होंने आज हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में की। बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित इस भव्य समारोह में उनकी पार्टी के नेताओं के अलावा, कई विशेष आमंत्रित राजनैतिक हस्तियाँ मौजूद थीं, जिनमें शामिल थे- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा तमिल क्षेत्रीय दल, ''विदुथलाई चिरुतेगल काची (वी.सी.के.) नेता तोल तिरुमवलानन।

अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं तथा खासतौर से, 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार को बेदखल करने के दृढ़ निश्चय की घोषणा करते हुये, के.सी.आर. (तेलंगाना-मुख्यमंत्री

- के.सी.आर. ने 2019 में भी गैर भाजपा, गैर कांग्रेस मंच का गठन किया था। पर, उनको विपक्ष का भारी समर्थन नहीं मिला था, क्योंकि तब वे कांग्रेस को इस मंच से जोड़ने के सख्त खिलाफ थे।
- उनके कांग्रेस विरोधी इस रवैये के कारण विपक्ष में यह भावना भी फैली थी कि, कहीं के.सी.आर. भाजपा के पक्ष में खेल तो नहीं खेल रहे हैं।

इसी नाम से प्रसिद्ध हैं) ने कहा कि वे विपक्ष को एकजुट करके अपनी योजना तथा रणनीति का खुलासा करेंगे। अपनी योजना के प्रमुख बिन्दुओं के अनुसार, के.सी.आर. विकास के ''तेलंगाना मॉडल'' को सारे देश में पहुँचाना चाहते हैं तथा पूरे भारत में इसे क्रियान्वित करने के अवसर की तलाश में हैं।

के.सी.आर. ने 2019 में भी राष्ट्रीय स्तर पर एक ग़ैर-भाजपा एवं ग़ैर-कांग्रेस मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उनकी इस पहल को स्वीकार एवं अंगीकार करने वाला शायद कोई नहीं था। उस समय, कुछ राजनैतिक दलों को यह संदेह पीड़ा पहुँचा रहा था कि शायद के.सी.आर. विपक्षी एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं तथा कुछ नेताओं ने उनके इरादों को संदेह की नजर से देखा था। उन लोगों का संदेह यह था कि वे भाजपा के इशारे पर यह खेल खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन चूँकि अब भाजपा ने तेलंगाना में के.सी.आर. तथा उनकी पार्टी को परेशान करने के कदम उठाना शुरु कर दिया है, तो अब यह लग रहा है कि के.सी.आर. भाजपा का सामना करने के अपने प्रयासों को लेकर वास्तव में कुछ गंभीर है। लेकिन अब भी कुछ राजनैतिक पर्यवेक्षक ऐसे हैं जो तेलंगाना के इस क्षेत्रीय राजनेता के असली इरादों पर संदेह कर रहे है, क्योंकि वे लगातार कांग्रेस-रहित विपक्ष की बात करते आ रहे हैं।

जब तक, कांग्रेस सहित, समूचा विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी चुनावी लड़ाई में भाजपा का सामना कर पाना मुश्किल होगा- यह एक जमीनी वास्तविकता है और इस बात को के.सी.आर. भी अच्छी तरह समझते हैं क्योंकि यह सामान्य गणितीय हिसाब-किताब है। के.सी.आर. तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी- दोनों ही कांग्रेस से कोई लेना-देना रखने के विरोधी के रूप में देखे जाते हैं।

और विपक्ष के गठजोड़ को बलपूर्वक खोल देने में, उसे अलग-अलग कर देने में ही, भाजपा के लिये अवसर अन्तर्निहित है। के.सी.आर. ने विपक्षी एकता की दिशा में कोशिश

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## चीनी का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (वार्ता)। देश से चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में 109.8 लाख मिट्रिक टन (एलएमटी) का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात हुआ जिससे लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गयी।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि चीनी सत्र के

- इस वर्ष 109.8 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात किया है भारत ने, जिससे देश को 40 हजार करोड़ रु. की आय हुई है।

दौरान 5000 एल.एम.टी. से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से 35 एल.एम.टी. चीनी का इस्तेमाल एथनॉल तैयार करने में और शेष का मिलों द्वारा 359 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक

## दशहरे पर संघ प्रमुख भागवत ने अपने उद्बोधन में मुसलमानों को आश्वस्त किया

### 'हिन्दुओं के संगठित होने से मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैलाने की खबर फिजूल की बात है'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत

- भागवत ने यह भी कहा कि, हिन्दुओं ने कभी भी इतिहास में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैले और न ऐसा कभी भविष्य में होगा। ऐसा सोच न तो संघ में है और न ही हिन्दुओं में।
- भागवत ने कहा, प्रबुद्ध व प्रभावशाली मुसलमानों ने उदयपुर व अमरावती में नूपुर शर्मा का समर्थन करने के कारण एक दर्जी व एक फार्मासिस्ट की नृशंस हत्या करने पर विरोध जताया था, पर यह एक अकेली घटना नहीं होनी चाहिये थी, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज को एकजुट होकर विरोध जताना चाहिये था। भागवत के अनुसार कई हिन्दू संगठनों ने सख्त विरोध जताया है, जब भी किसी हिन्दू ने हिंसक घटना को अंजाम दिया है।

आज बुधवार को अपने फिर उसी विचार बिन्दु पर लौट आये, जिस पर वे अपने दशहरा-संबोधन में प्रायः बोलते हैं- हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा।

पिछले वर्षों में, भागवत बहुत से तत्कालीन एवं उस समय उभर रहे मुद्दों पर बोल चुके हैं लेकिन आज वे अपने प्रिय मुद्दों पर वापस लौट आये, जैसे- जनसंख्या-नियंत्रण की आवश्यकता तथा पाकिस्तान और चीन पर तीखे प्रहार। पिछले वर्ष के दशहरा संबोधन में उन्होंने देश में जनसंख्या-असंतुलन को लेकर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी तथा अगले पाँच वर्ष के लिये जनसंख्या-नीति बनाने पर जोर दिया था। उससे एक साल पहले, उन्होंने इस बात को दोहराया था कि हिन्दुत्व एक धार्मिक विषय नहीं, एक जीवन-शैली है। 2019 में उन्होंने कहा था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र था तथा उन ''भारतीय पूर्वजों'' के वंशजों का ही भारत में रहने के लिये स्वागत है। 2018 में, उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरु करने के लिये जल्दी से कानून लाने तथा उसका क्रियान्वयन करने पर जोर दिया था तथा उन लोगों

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## फर्जी नामों से उठाया 9.30 क्विंटल गेहूं

हनुमानगढ़, 5 अक्टूबर (कासं)। फर्जी तरीके से राशन कार्ड में 2 नाम जुड़वाकर खाद्य सुरक्षा योजना का अनुचित लाभ उठाने और राजकोष को हानि पहुंचाने का मामला सामने आया है। जिला रसद अधिकारी ऑफिस के प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार मेघवाल ने जंक्शन पुलिस थाना में

- प्रवर्तन अधिकारी ने इस संबंध में स्थानीय व्यक्ति प्रदीप कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया।

सुरेशिया गांव निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है।

प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार (36) पुत्र सतपाल मेघवाल, निवासी 6 डीबीएन, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई और बताया कि प्रदीप कुमार पुत्र कृष्ण लाल कुम्हार, निवासी सुरेशिया के नाम बीपीएल

## 'झूठ बोला है तो कायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए'

### दिव्या मदेरणा की धारीवाल, जोशी, राठौड़ को सलाह

जयपुर, 5 अक्टूबर (का.प्र.)। ''झूठ बोला है तो क़ायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए।'' मशहूर शायर ज़फ़र इकबाल के इस शेर के साथ विधायक दिव्या मदेरणा ने राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और राजस्थान टूरिज़्म डवलपमैंट कॉरपोरेशन (आर.टी.डी.सी.) के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को सलाह दी है।

इन तीनों ने 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस आलाकमान के पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर अलग बैठक बुलाई थी और इसके लिए इन्हें पार्टी

- दिव्या मदेरणा ने यह सलाह धारीवाल, जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ को ऐसे समय में दी है, जबकि उन्हें दिए गए कारण बताओ नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर को खत्म हो रही है, इन तीनों को 6 अक्टूबर तक आलाकमान को अपना जवाब भेजना है।
- बताया जा रहा है कि, 25 सितम्बर को हुई समानान्तर बैठक में आलाकमान के खिलाफ जो भाषणबाजी हुई थी, उसके वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं।
- दिव्या मदेरणा की सलाह से एक बात और साफ हो गई है कि, उक्त बैठक के बाद तीनों नेताओं ने झूठी बयानबाजी की थी।

आलाकमान की ओर से कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

दिव्या मदेरणा, जो कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे परसराम मदेरणा की पौत्री हैं, 25 सितंबर के बाद से लगातार धारीवाल और जोशी पर निशाना साध रही हैं। दिव्या मदेरणा द्वारा यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब कांग्रेस आलाकमान की ओर से इन तीनों को दिए गए नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर गुरुवार को समाप्त होने जा रही है और इन्हें तब तक अपना जवाब आलाकमान तक अनिवार्य रुप से भिजवा देना है।

इन तीनों के द्वारा जवाब दिए जाने के बाद ही यह तय होगा कि पार्टी विधायक दल की समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले को लेकर इनके जवाब से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट होता है या नहीं, अगर नहीं तो फिर इन पर क्या कार्यवाही की जाती है, क्योंकि जिस तरह से समानांतर बैठक बुलाई गई थी और फिर उसमें आलाकमान के खिलाफ जिस तरह से भाषणबाजी हुई थी, उसके तमाम वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं। महत्वपूर्ण यह है कि धारीवाल, जोशी और राठौड़ कारण बताओ नोटिस का क्या जवाब देते हैं।

वैसे दिव्या मदेरणा ने नोटिस का जवाब दिए जाने की अवधि खत्म होने के 1 दिन पहले ही जफर इकबाल के इस शेर के जरिए एक बात तो फिर जाहिर कर दी है कि समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाए जाने के बाद इन नेताओं ने झूठ बोला था।

## सेना का हैलिकॉप्टर क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को सेना का चीता हैलिकॉप्टर क्रैश हो गया। खबर है कि हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि हादसा उस वक्त हुआ, जब हेलिकाप्टर नियमित उड़ान भर रहा था। फिलहाल, सेना की वजह से दुर्घटना का पता

- यह हादसा अरुणाचल प्रदेश में हुआ, जहाँ हैलिकॉप्टर अपनी नियमित उड़ान पर था।

लगाया जा रहा है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि हेलिकाप्टर सुबह करीब 10 बजे नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में दोनों ही पायलट बुरी तरह घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में पायलट कर्नल सौरभ यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, दल के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

**कलियुग में रहना है या सतयुग में यह तुम स्वयं चुनो, तुम्हारा युग तुम्हारे पास है। –विनोबा**

# आरक्षण का भूत

आरक्षण को लेकर छोटे-बड़े आन्दोलन व अदालतों में कानूनी लड़ाई चलती ही रहती है। कई बार एक अदालत का निर्णय दूसरी अदालत से भिन्न होते है, जो फिर नई कानूनी जंग की शुरुआत कर देते है। देश नें मंडल आयोग की सफिरिशों के आंशिक रूप से लागू किए जाने के बाद हिंसक आंदोलन देखा। राजस्थान में भी मूल ओबीसी, सामाजिक न्याय, समता व अन्य नामों के बैनर्स के नीचे आंदोलन हुए। गुर्जरों के आरक्षण हेतु आंदोलन की यादें तो सभी को होगी जो पहले ST वर्ग में शामिल होना चाहते थे और फिर OBC से अलग निश्चित कोटा चाहते थे।

एस सी, एस टी वर्ग को संविधान के जरिए बहुत पहले से विधायिकाओं और सरकारी नोकरियों में आरक्षण मिला हुआ है। इस के सम्बंध में कानून कायदे की स्थिति स्पष्ट व स्थापित हो चुकी किन्तु ओबीसी, वर्ग के लिए अदालती फैसले व सरकारी नोटिफिकेशन्स की स्थिति राजनेताओं व उच्च अधिकारी वर्ग की अच्छी-बुरी नियत, आश्वासनों के अनुसार बदलती रही है।

अभी हाल ही में जो OBC युवाओं का एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन हुआ, उसका कारण भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को व रोस्टर रजिस्टर को गलत ढंग से क्रियान्वित करने को माना जा रहा है।

सरकार नें भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी भर्तियों में 12 प्रतिशत आरक्षण किया है। इसके क्रियान्वयन के लिए जारी प्रक्रिया में यह व्यवस्था कर दी कि चयनित भूतपूर्व सैनिक जिस जातीय वर्ग का है उसे उस वर्ग के लिए कुल आरक्षित कोटे में गिना जाएगा।

यह सर्व विदित है कि राजस्थान में सेना में मुख्यत: जाट, गुर्जर, यादव, राजपूत, कायमखानी जातियों के लोग ही ज्यादा जाते है। ओबीसी वर्ग के जितने भूतपूर्व सैनिक चयनित हो जाते हैं उतनी भर्तियों की संख्या आरक्षित 21 प्रतिशत में से घटा कर, शेष भर्तियों पर ही आरक्षित वर्ग के युवक, युवतियों को लाभ मिलता है अर्थात यदि किसी पद की 100 भर्ती हों तो उन में से OBC की 21 वैसीकेन्सी होंगी और जाट, यादव, आदि के भूत पूर्व सैनिक में से 10 चयनित हो गए तो शेष ओबीसी युवाओं के लिए 11 ही वैकेंसी रहेंगी। इस वर्ग के नए युवाओं के लिए रिक्तियां बहुत कम हो जाती है।

निर्णय तो सारी स्थितियों को देख कर सरकार को लेना है किंतु यदि सरकार शुद्ध मन से इसका समाधान चाहती है तो इन सुझाव पर भी विचार करे:–

(1.0) आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।

जातीय जनगणना देश हित में होगी या लोगों का एक वर्ग इसे देश के लिए अहितकारी कह कर फिर से नए आंदोलनों की शुरुआत करेंगा,जैसा कि मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बाद हुआ था-यह भविष्य के गर्भ में होगा।

(2.0) जिस प्रकार से SC, ST, OBC को एक अलग वर्ग मान कर कर आरक्षण दिया गया है, उसी प्रकार भूतपूर्व सैनिकों, परित्यकता महिलाओं आदि को अलग वर्ग में माने और आरक्षण क्रियान्वित करें। भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण, उनकी देश के लिए समर्पित सेवा के आधार पर दिया जाता है न कि उनका जाट, यादव, गुर्जर, राजपूत आदि जातियों के होने के कारण दिया जाता है। इसी प्रकार परित्यक्ता महिलाओं, विशेष योग्यजनों आदि को आरक्षण उनको किसी जाति विशेष का होने कारण नहीं होकर उनकी विशेष कठिनाइयों के कारण दिया जाता है।

**आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।**

(3.0) इसे कैसे-कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है, उसे निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है :–

मान लें कि LDC पदों के लिए 100 रिक्तियां है। इनको वर्ग वार विभाजित करने का एक तरीका यह हो सकता है:–

(3.1) भूत पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित होंगी 12 और अन्य विशेष समूहों के लिए आरक्षित पदों को 100 में से घटाकर शेष रिक्तियों को SC, ST, OBC, GEN इत्यादि ग्रुप्स में आरक्षित कोटे के अनुसार विभाजित करें।

(3.2) यदि केवल भूतपूर्व सैनिकों तक इसे सीमित रखा जाए तो, अन्य वर्गों के लिए शेष रिक्तियां 100-12=88 को SC, ST, OBC, GEN वर्गों में आरक्षण प्रतिशत के अनुसार विभाजित करें और इनके लिए क्रमश: 13, 11, 18, 46 पद आरक्षित होंगे।

अन्य विशेष वर्गों यथा EWS, विशेष योग्य जन, परित्यक्ता महिला आदि का भी का कोटा 100 आरक्षण कोटा भी इसी प्रकार 100 में से घटा कर शेष पदों का विभाजन SC, ST, OBC, GEN में किया जा सकता है।

(3.3) रिक्तियों के विभाजन का दूसरा तरीका यह भी हो सकता है:- पहले प्रतियोगिता परीक्षा हो और फिर चयनित सूची के अनुसार जो भूतपूर्व सैनिक जिस जाती/वर्ग का हो,उतनी रिक्तियां उस वर्ग के लिए आरक्षित कुल पदों में से घटा दें। उदाहरण के लिए यदि SC, ST, OBC, GEN के क्रमश: 2, 2, 2 व 6 (कुल 12) भूत पूर्व सैनिक चयनित हो रहे हैं तो फिर अन्य SC, ST, OBC, GEN के लिए रिक्तियां हो जाएंगी--15-2=13,12-2=10, 21-6=15, 50-2=48।

अन्य वर्गों के लिए आरक्षित पदों की गणना भी उपरोक्त दोनों प्रकार की जा सकती है।

रोस्टर रजिस्टर संधारण में एक बहुत बड़ी विसंगतिया चल रही है, यह भी OBC युवकों का आरोप रहा है।

सरकारी नौकरी में भर्ती किए गए प्रत्येक कर्मचारी- अधिकारी का रोस्टर रजिस्टर में इंद्राज होता है कि उसकी भर्ती किस पद के विरुद्ध हुई अर्थात उसकी भर्ती SC, ST, OBC, EWC इत्यादि कटेग्रिज में से किस कैटेगरी में हुई है।

आरोप यह भी है कि रोस्टर रजिस्टर में आरक्षण लागू होने से पहले वाले, बिना आरक्षण का लाभ लिए चयनितों को भी ओबीसी में गिन कर ओबीसी का 21% से अधिक प्रतिनिधित्व पूर्ण दिखाकर नई भर्तियों में ओबीसी के पद कम करवाने की बात भी युवाओं के द्वारा कही जा रही है।

युवाओं का कहना है कि 21% की गणना में OBC आरक्षण लागू होने से पहले के पदों को शामिल कर गणना करना असंवैधानिक है क्योंकि उस समय जिनका चयन हुआ तो उन्हें कोई लाभ आरक्षण का नहीं मिला था और वे सामान्य कटेगरी में कम्पीट करके मेरिट से आए थे।

युवाओं के अनुसार, इस कारण कई विभागों की भर्तियों की अधिसूचनाओं में ओबीसी के 21% पद भी नही दिखाए जाते हैं। हो सकता है किसी विभाग में ऐसा इरादतन या नासमझी के कारण हुआ हो, इसलिए सरकार के लिए यह उचित होगा कि इसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच व सतत समीक्षा होती रहनी चाहिए न कि केवल विभागों पर छोड़ दिया जाए।

सरकार को चाहिए कि समय रहते, बिना पूर्व धारणाओं के इस समस्या पर विचार करे। जातीय पूर्वाग्रहों से मुक्त निष्पक्ष वरिष्ठ अधिकारियों से समस्या का परीक्षण करवाए और शीघ्र निर्णय ले।

**–अतिथि सम्पादक,**
**महावीर सिंह,**
**आई.ए.एस. ( से.नि. )**

## राशिफल गुरूवार 6 अक्टूबर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र सांय 7:42 तक, शूल योग रात्रि 2:20 तक, विष्टि करण प्रात: 9:41 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:28 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:41 तक रहेगी। आज पापाकुशा एकादशी व्रत, भरत मिलाप और पंचक प्रात: 8:28 से आरम्भ होंगे।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 7:53 तक, चर 10:47 से 12:15 तक, लाभ-अमृत 12:15 से 3:10 तक, शुभ 4:37 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:05

**मेष**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

**सिंह**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**धनु**
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद-अनबन दूर होने लगेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में वार्ता सफल रहेगी। नवीन व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी।

**कन्या**
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से और योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**मिथुन**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**कर्क**
अपनी कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

**वृश्चिक**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**मीन**
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें।

# चाय मुक्त भारत

थोड़ा रूकिये न। चाय पीकर जाइये। ऐसी भी क्या जल्दी है। आये है तो चाय लेनी ही होगी। घर हो या बाहर, मीटिंग से पहले और मीटिंग के बाद चाय की उपस्थिति को सभी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। गरीब हो या अमीर, ग्रामीण हो या शहरी सम्पूर्ण राष्ट्र चाय के रस में डूबा हुआ है। हमारे हर समारोह की शोभा बन चुकी है। हालात यहाँ तक पहुँच गये है कि यदि आप घर आये मेहमान का चाय से स्वागत करना भूल गये है तो स्वयं मेहमान की प्रतिक्रिया होगी- अरे भाई उनके घर गये थे, चाय तक की भी नहीं पूछा।

आज तो मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय तो जैसे मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। घर हो या कार्यालय, न्यायालय हो या संतों का आश्रम, कॉलेज हो या हॉस्पीटल चारों ओर जनता चाय की चुस्कियाँ लेने में व्यस्त है। फालतू आदमी को टाइम पास करने के लिए चाय चाहिये और व्यस्त व्यक्ति को रिलेक्स होने के लिए चाय की याद आती है।

समय के साथ चाय में अनेक तरह के उतार-चढ़ाव आ रहे है। मीठी चाय, फीकी चाय, मसाले वाली चाय, बिना दूध की चाय, लेमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी आदि पता नहीं कितने तरह की चाय बाजार में धडल्ले से बिक रही है। आपकी चाय की पसन्द से समाज यह विभाजन कर देता है कि आप सामान्य आदमी है या बड़े व्यक्ति। प्राय: मीठी और दूध वाली चाय पीने वालों को सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। लेमन टी, ग्रीन टी, फीकी चाय पीने वालों को थोड़ा बड़ा आदमी माना जाता है। चाय जिस क्रोकरी में प्रदान की जा रही है, उसका भी बड़ा महत्व हो गया है। चाय वही है, क्रोकरी की क्वालिटी से रेट घटती-बढ़ती है।

चाय के प्रति उमड़ते प्रेम की यह गाथा उस देश की है, जहाँ आज से मात्र 50-60 साल पहले चाय के दर्शन ही दुर्लभ थे। चाय के प्रति कोई लगाव एवं सम्मान नहीं था। मूलत: यह अंग्रेजों का ही पेय माना जाता था। वहाँ के ठण्डे वातावरण में इसकी उपयोगिता समझ में आती है। मेरे स्कूल जीवन में हम मित्र लोग कभी-कभार घर वालों से छिप कर ही रेस्टोरेन्ट में चाय पीने जाते थे। आखिर फिर ऐसा क्या घटनाक्रम हुआ कि छोटे से कालखण्ड में चाय हमारे जैसे गर्म देश में लोकप्रियता के शिखर पर पहुँच गयी है।

चाय बैंचने वाली कम्पनियों ने मार्केटिंग की अपनी अद्भूत कला से देशवासियों को चाय के रस में डूबों दिया। ब्रुक बॉण्ड टी कम्पनी ने 60-70 वर्ष पूर्व विभिन्न शहरों में मुख्य चौराहों पर अपने चाय के थैले लगाये। आने-जाने वाले लोगों को आवाज लगाकर फ्री में चाय पीने के लिए आग्रह करते थे। लोग रूकने लगे, फ्री की चाय का मजा लेने लगे। चाय पीने के बाद बेचने वाला पूछता था, चाय कैसी लगी? नि:शुल्क चाय की तारीफ करना भी पीने वाले की मजबूरी होती थी। जैसे ही आपने चाय की तारीफ की, वह 50 ग्राम चाय की पुड़िया आपको सप्रेम भेंट कर देता था और कहता था परिवार के सदस्यों को भी यह आनन्द प्रदान कीजिये। देश में चाय घर-घर तक पहुँच गयी। प्रारम्भ में नि:शुल्क चाय से हमारी आदत बनाई गयी फिर एक दिन अचानक यह नि:शुल्क स्कीम बन्द हो जाती है और हम खरीदने के लिए विवश हो गये। विवश ही नहीं गुलाम हो गये। याद रखना एक दिन यही स्थिति वाट्सअप, फेसबुक, ट्वीटर में आने वाली है। टी कम्पनियों के षडयंत्र के साथ-साथ अंग्रेजों का पेय होना हमारी गुलाम मानसिकता में प्रतिष्ठा का विषय भी था। इसलिए धीरे-धीरे हम दिन में दो-चार-पांच चाय रोब के साथ पीने लगे।

डॉ. कैलाश सोडाणी

■ **मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है**

बात केवल स्वास्थ्य और पैसों की नहीं है अपितु हम सभी दिन भर में चाय के नाम पर समय कितना खराब कर रहे है। समय अमूल्य है। ईश्वर ने समय के रूप में हमें बहुत बड़ा खजाना दिया है। खजाने का उपयोग एवं दुरूपयोग स्वयं पर निर्भर है। फिर हम सभी देशवासी समय जैसे कीमती उपहार को चाय की चुस्कियों में क्यों खराब कर रहे है ? सोचना होगा, समझना होगा और समय, स्वास्थ्य और पैसों के दुरूपयोग को रोकना होगा। जिस मार्केटिंग स्ट्रेटेजी से विदेशी कम्पनियां अपना प्रोडक्ट हमें खरीदने के लिए मजबूर कर देती है वैसे ही हमें भी देश में सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा वातावरण एवं मानसिकता बनानी होगी कि लोग स्वत: कोल्डड्रिंक की भाँति चाय से भी दूरी बनायेंगे। देश में स्वदेशी सोच एवं चिंतन की मार्केटिंग करनी होगी।

चाय के साथ-साथ आज हमें पिज्ज़ा और बर्गर से भी सावधान रहना होगा। इन्ही विदेशी कम्पनियों ने अपने मार्केटिंग के खेल से भारतीय प्रोडक्ट- कचोरी, समोसा, इडली आदि को पुरानी एवं कमजोर मानसिकता का सूचक बना दिया। महंगे पिज्ज़ा और बर्गर को सम्मान के ऊँचे पायदान पर बिठा दिया। विदेशी कम्पनियाँ तो केवल हमारी जेब से पैसा निकालने के लिए समाज में खाने-पीने के मानदण्ड बदलती रहती है। उन्हे हमारे समय और स्वास्थ्य की चिन्ता नहीं है। सचेत और सावधान तो स्वयं को रहना होगा। क्या खाना और क्या पीना है, निर्णय हमारा अपना है। कोई हमें मजबूर नहीं कर रहा है।

चाय मुक्त भारत की शुरूवाद सरकारी कार्यालय एवं समारोह से करनी चाहिये फिर विवाह आदि कार्यक्रमों में चाय की उपलब्धता बन्द करनी होगी। अन्तत: देश में एक वातावरण बनेगा और एक दिन हमारे कीमती समय, स्वास्थ्य एवं पैसे की बर्बादी रूकेगी।

**डॉ. कैलाश सोडाणी,**
**पूर्व कुलपति,**
**महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर**

# ओपन ग्रैण्ड मास्टर्स चैस टूर्नामैंट में भीलवाड़ा के अभिजीत सबसे आगे

**बीकानेर,** (कासं)। चल रहे इंटरनेशनल ओपन ग्रांड मास्टर्स चैस टूर्नामेंट में पंद्रह देशों के तीन सौ से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खास बात ये है कि यहां भीलवाड़ा के अभिजीत गुप्ता अब तक सबसे आगे बने हुए हैं। तीस लाख रुपए के इस इनामी मुकाबले में अभिजीत दुनिया के टॉप प्लेयर्स को एक के बाद एक हार का स्वाद चखा रहा है। कैटेगरी ए में राजस्थान के ग्रांड मास्टर अभिजीत गुप्ता ने ईरान के तहबाज अर्श को हराकर एकल बढ़त बना ली है। इससे पहले अभिजीत ने यहां खेल रहे अन्य ग्रांड मास्टर्स को भी हराया। इस टूर्नामेंट में टॉप रेटेड अभिजीत अपने वर्ग में जीत के प्रबल दावेदार बन चुके हैं। रूस के जीएम बोरिस और जॉर्जिया के ग्रांड मास्टर पन्टसुलिआ लेमन ने ड्रा खेला। मंगोलिया के बचुलून और ओमिदी आर्या (ईरान) ने ड्रा खेला। दीपन चक्रवर्ती, आराध्या, अनुज श्रीवर्ती, राम अरविन्द, जितदिनोव (यूएसए) और कुशाग्र मोहन सभी के खेल बराबरी पर रहे।

प्रतियोगिता निदेशक एसएल हर्ष ने बताया कि कैटेगरी बी में तमिलनाडु के दिनेश कुमार ने बिहार के मोहित सोनी को हराकर एकल बढ़त बना ली। कदव ओमकार और पोटलुरी सुप्रिया के खेल ड्रा रहे। किशोर कुमार और अजय बिरवानी का खेल भी ड्रा रहा जबकि निर्गुण केवल (महाराष्ट्र) ने राजस्थान के भरत बंसल को और रमनदीप सिंह गिल ने दिल्ली के शुभम को हराया। इस आयोजन में बीकानेर के कई नन्हें खिलाड़ियों को भी खेलने का अवसर मिला है। इनमें कुछ खिलाड़ी अपना मैच जीत गए हैं। इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फीडे रेंक मिलने की उम्मीद बन गई है। बड़े खिलाड़ियों के साथ मोहरे लड़ाने का अवसर भी मिल रहा है।

गंगाशहर के आशीर्वाद भवन में दो कैटेगरी में 157 बिसात पर 314 शातिर अपने दाव-पेच खेलते हैं। राजस्थान शतरंज संघ द्वारा बीकानेर में प्रथम अंतरराष्ट्रीय ओपन ग्रांड मास्टर्स प्रतियोगिता में आयोजन से जुड़े विनोद बाफना, बाफना अकादमी के सीइओ डॉ. पीएस वोहरा, ऋषभ सेठिया व जय सेठिया भी खिलाडियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। इस आयोजन में नगर विकास न्यास के पूर्व चैयरमेन और राजस्थान शतरंज संघ के अध्यक्ष महावीर रांका ने बताया कि देश और दुनिया के इतने बड़े खिलाड़ी बीकानेर में आना शहर के लिए गौरव का विषय है।

# किसान ने बेटी को किडनी देकर बचाई जान

माया देवी

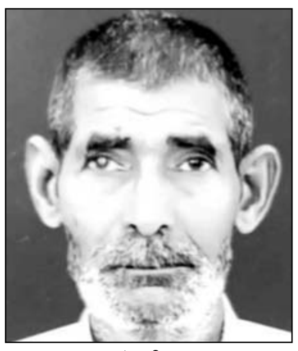
चंदगीराम

**कोटपूतली,** (निसं)। ग्राम पूतली निवासी एक 65 वर्षिय बुजुर्ग किसान ने पुत्री के जीवन पर आये खतरे को देखकर अपनी स्वयं की जान की बाजी लगाते हुए बेटी की जान बचाई ।

ग्राम पूतली निवासी नत्थुराम गुर्जर ने बताया कि उनकी बहन माया देवी (40) का विवाह अलवर जिले की थानागाजी तहसील निवासी गाँव हींसला निवासी छुट्टन लाल गुर्जर के साथ हुआ था। ग्रामीण परिवेश के खेतीहर परिवार में रहने वाली उनकी बहन माया की दोनों किडनियां खराब हो जाने से उनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। इस पर चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट की बात कही। परिवार में केवल उनके 65 वर्षिय बुजुर्ग पिता चंदगीराम की किडनी ही अपनी पुत्री से मिलान खा रही थी लेकिन पिता की ज्यादा उम्र देखते हुए चिकित्सक किडनी ट्रांसप्लांट से कतरा रहे थे किन्तू चंदगीराम ने एक कदम आगे बढते हुए अपने जीवन की परवाह ना कर अपनी एक किडनी देकर बेटी के जीवन को बचा लिया ।

जयपुर के महात्मा गाँधी अस्पताल में नैफ्रोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सूरज गोदारा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने लगभग 8 घण्टे तक चले ऑपरेशन में सफलतापूर्वक किडनी का ट्रांसप्लांट किया। ऑपरेशन के बाद दोनों पिता-पुत्री की स्थिति सामान्य है। उनके भाई नत्थूराम ने बताया कि बहन की जान बच जाने से पूरा परिवार राहत महसूस कर रहा है।

# विदेशी पर्यटक ने बनाया राक्षस का रूप

**पुष्कर,** (निसं)। पुष्कर में रावण दहन हुआ। विदेशी पर्यटक भी इस दौरान राक्षस का रूप बनाकर आया। विदेशी का यह रूप लोगों में रहा चर्चा का विषय रहा। पुष्कर में बांगड़ स्कूल के पास छोटी बस्ती की ओर से श्री ब्रह्म पुष्कर सेवा संघ की ओर से रावण दहन किया गया। बड़ी बस्ती में मेला मैदान में रावण दहन किया गया। इस दौरान पुष्कर के विधायक सुरेश सिंह रावत, पुष्कर नगरपालिका के अध्यक्ष कमल पाठक, उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि व पार्षद मौजूद रहे। रावण दहन देखने के लिए सैकड़ों की तादात में विदेशी पर्यटक भी मौजूद रहे।

■ **पुष्कर में दशहरा मेले में रावण दहन हुआ**

## हिन्दी साहित्य के निर्माता-जन्म शताब्दी पर विशेष

# कालजयी रचनाकार-डॉ. रांगेय राघव

हिन्दी साहित्य के महान पुरोधा डॉ. रांगेय राघव (पूरा नाम तिरूमलै नम्बाकम वीर राघव-आचार्य) का जन्म 17 जनवरी 1923 को पिता रंगाचार्य एवं माता कनकवल्ली के घर, बाग मुजफ्फर, आगरा (उत्तरप्रदेश) में हुआ था। इस वर्ष उनकी जन्मशताब्दी मनायी जा रही है। रांगेय राघव के माता-पिता दोनों तमिल, फारसी व संस्कृत के विद्वान थे। पिता अंग्रेजों के विरुद्ध क्रान्तीकारी विचारों के प्रचार -प्रसार एवं गतिविधियाँ करने पर बारह वर्ष के लिए देश निकाला दिया था। तब वह आगरा में जाकर रहने लगे।

पिता रंगाचार्य संस्कृत के उद्भट विद्वान होने से तत्कालीन जयपुर नरेश द्वारा स्थापित वैर के सीताराम मंदिर का पुरोहित बनाया था। उन्होंने 1944 में हिन्दी से एम.ए. किया था। लगभग 18 वर्ष की आयु में स्नातक अध्ययन के दौरान ही उन्होंने अपना पहला उपन्यास 'घरौंदा' लिखा, जो 1946 में प्रकाशित हुआ, जो बाद में चर्चित एवं लोकप्रिय हुआ। स्नातकोत्तर की डिग्री के बाद उन्होंने 'गोरखनाथ और उनका युग' विषय पर 1949 में डाक्टरेट की उपाधि मिली थी। घरौंदा के प्रकाशन के बाद वह समर्पित भाव से निरन्तर लिखते रहे। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपने को कम अवधि में ही प्रतिष्ठित कर लिया और उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, संस्मरण, काव्य, नाटक, आलोचना, चिन्तर एवं दर्शन के अलावा अनुवाद के क्षेत्र में डेढ सौ से अधिक कृतियाँ लिखी।

सन् 1943-44 में बंगाल के अकाल और ग्वालियर के गोलीकांड पर आपने रिपोर्ताज लिखे एवं अकाल तथा महामारी की तबाही पर 'तूफानों के बीच' उपन्यास लिखा जिसे खूब प्रसिद्धि मिली। इन्होंने 'निर्माण' नामक पत्रिका का भी सम्पादन किया, जिसमें विचारोत्तक तथा क्रान्तीकारी लेख छापते थे। डॉ. राघव की प्रतिभा बहुमुखी थी। केवल 39 वर्ष की आयु में ही आपने सैंकडों ग्रन्थ रच डाले थे। वह प्रगतिशील-जनवादी विचारधारा के सशक्त लेखक थे। सम्पन्न परिवार में जन्म लेकर भी लेखन ही उनकी जीविका का मुख्य साधन बना रहा। वह वर्तमान में जीने पर विश्वास करते थे। 7 मई, 1956 को सुलोचना आयंगार से विवाह किया। एक पुत्री सीमंतिनी का 1960 में जन्म हुआ। अधिकांश जीवन आगरा, वैर व जयपुर में व्यतीत किया था।

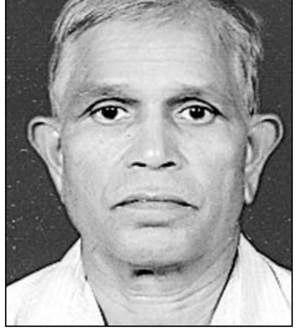
यादराम सिंह यादव

डॉ. रांगेय राघव मानवता के एक सशक्त चितेरे थे वे हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ब्रज तथा तमिल के विद्वान होने के साथ सिद्धहस्त चित्रकार भी थे। आपने संस्कृत भाषा में मृच्छकटिका एवं मुद्राराक्षस जैसे नाटकों का हिन्दी में सफल अनुवाद किया था। अंग्रेजी भाषा के सेक्सपीयर के नाटक गाल्जवर्दी, शैले, कीटस, गेट आदि जर्मन व फ्रांसीसी महान कवि व लेखकों के काव्य एवं प्रमुख कहानीकारों की कथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया था। 'गदल' इनकी सिरमौर कहानी है, जिसकी बेबाकी, मजबूती और कर्मठता में 'गदल' जैसी अन्य स्त्री नजर नहीं आती। विविध सामाजिक समस्याओं का चित्रण आपकी कहानियों की मुख्य विशेषता रही है।

आपके 'मेघावी' नामक प्रथम काव्य को हिन्दुस्तानी अकादमी प्रयाग, अधूरा किला 'कब तक पुकारूं' को

उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा 'मेरी प्रिय कहानियां' को राजस्थान साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया था। महात्मा गांधी पुरस्कार 1966 में 'मरणोपरान्त' प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने देश को, हिन्दी की महान सृजनशीलता के दर्शन कराये। रिपोर्ताज लेखन, जीवन चरितात्मक उपन्यास और महामाया-गाथा 'दो खण्डों में' की नयी परम्परा डाली।

डॉ. रांगेय राघव को हिन्दी साहित्य का सेक्सपीयर माना जाता है जबकि मूलत: तमिल थे। उनके अधिकतर ऐतिहासिक उपन्यास उन चरित्रों से जुड़ी हुयी महापुरूषों, भगवानों व महिलाओं के नाम पर लिखे गये हैं। जैसे भारती का सपूत- भारतेंदु हरिशचन्द्र की जीवन पर आधारित 'लखिया की आंखे'-कवि विद्यापति के जीवन पर, रत्ना की बात-तुलसी के जीवन पर, देवकी का बेटा-कृष्ण के जीवन पर आधारित है।

उन्होंने सेक्सपीयर के सभी 10 नाटकों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद किया था, जो मूल रचना सरीखे थे। उन्होंने कहानी, कविता, आलोचना, नाटक, संस्मरण, यात्रा वृतान्त के अलावा सभ्यता व संस्कृति, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अनुवाद, चित्रकारी शोध और व्याख्या के क्षेत्र में 150 से अधिक पुस्तकें-रचनाऐं लिखी।

सहयोगी उपन्यासों में 'बारह खम्भा' और 'ग्यारह सपनों का देश' के साझे लेखक रहे। उनकी 'प्रमुख कहानियों में देवदासी, तूफानों के बीच, अय्यास मुर्दे, अंगारे ना बुझे, इन्सान पैदा हुआ, साम्राज्य का वैभव, समुद्र के फैन, पांच गधे, मेरी प्रिय कहानिया आदि कहानी संग्रह प्रमुख हैं।

'आलोचनात्मक ग्रन्थों' में 'गोरखनाथ एवं उनका युग' आधुनिक हिन्दी कविता में प्रेम और श्रृंगार, भारतीय पुनर्जागरण की भूमिका प्रमुख ग्रंथ हैं।

उनके रचित उपन्यासों में 'कब तक पुकारूं' तथा 'मुर्दों का टीला' पर टी.वी. धारावाहिक बनाये जाकर प्रसारित हो चुके हैं। 'कब तक पुकारूं' उपन्यास के प्रमुख पात्र वैर गांव के करनट 'नट' सुखराम को भारतीय साहित्य की 'कालजयी कृति का अमर पात्र' बना दिया। सुखराम और 'पथ का पाप' के किशनलाल जैसे पात्रों की गंध आज भी उनके गांव की माटी में रची बसी है। अनुवाद विधा में उनकी सिद्धहस्तता की प्रशंसा उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधा कृष्णन ने की थी, क्योंकि उनकी इच्छानुकूल ही डॉ. राघव ने 'मेघदूत' का अंग्रेजी में भी सचित्र अनुवाद किया था। उनके रेखाचित्र उनके द्वारा अनुदित ग्रंथों, ऋतु संहार, कुमारसंभव और भामिनी विलास में देखे जा सकते हैं। इस कलम के जादूगर की 12 सितम्बर 1962 को कैन्सर से बम्बई में निधन हो गया।

फैजाबाद में उनकी पुण्य स्मृति में एक अकादमी की स्थापना की गयी। आगरा के 'बाग मुजफ्फर' में जहां वे रहते थे, उस क्षेत्र की सड़क का नाम रांगेय राघव रोड़ रखा गया है। राजस्थान साहित्य अकादमी भी उनके नाम से एक वरिष्ठ साहित्यकार को प्रतिवर्ष 'डॉ. रांगेय-राघव पुरस्कार' प्रदान करती है। ऐसे अमर साहित्यकार की जन्मशताब्दी पर निम्न पंक्तियां उनके सम्मान में स्पंदित होती हैं-

तूफानों की रगों पर, थीं बिजलियां चमकती,
मांझी सम्हाल डांडे, बोला जरा ठहर लो।
है कुछ दिनों की गर्दिश, धोखा नहीं है लेकिन,
जो आंधियों ने फिर से, अपना जुनून उभारा।।

**यादराम सिंह यादव,**
**वरिष्ठ लेखक एवं साहित्यकार**

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

मैं आपको राजस्थान में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने और हमारे साथ मिलकर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

Invest Rajasthan
7-8 Oct 2022 › JAIPUR
Committed. Delivered.

# संभावनाओं से भरपूर राजस्थान की धरती आपके स्वागत के लिए तैयार है

संभावनाओं से भरे राजस्थान में आयोजित इन्वेस्ट राजस्थान समिट में पधार रहे सभी निवेशकों और प्रतिष्ठित प्रतिभागियों का जयपुर में स्वागत है।

निवेश प्रस्तावों को बड़े स्तर पर धरातल पर उतारने की दिशा में इन्वेस्ट राजस्थान समिट एक महत्त्वपूर्ण आयोजन साबित होगा।

आइये इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और विभिन्न सेक्टर्स में फायदेमंद निवेश की अपार संभावनाओं को तराशें।

इन्वेस्टर आउटरीच कार्यक्रम के परिणामस्वरूप
रु. 10.44 लाख करोड़
के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित

40% निवेश प्रस्ताव
धरातल पर/प्रक्रियाधीन

इन्वेस्ट राजस्थान समिट में
परियोजनाओं का
शिलान्यास और लोकार्पण

राज्य में रोज़गार सृजन

2.10 लाख से अधिक
धरातल पर/प्रक्रियाधीन निवेश प्रस्तावों से

9.5 लाख से अधिक
इन्वेस्ट राजस्थान के सभी निवेश प्रस्तावों से

राजस्थान संवाद

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग,
राजस्थान सरकार

invest.rajasthan.gov.in

CII
Confederation of Indian Industry

कोटा थर्मल पावर प्लांट

# 50 लाख रूपए की फिरौती के लिए सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण

## बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था : एसपी

झुंझुनूं के भाटीवाड़ा ग्राम के ग्रामीण जिन्होंने बच्चे को रेस्क्यू कर छुड़ाया।

■ शक होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बच्चे को मुक्त कराया

**गुढ़ागौड़जी, (निसं)।** सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण 50 लाख रूपए की फिरौती मांगने के प्लान पर ग्रामीणों ने पानी फेर दिया । ग्रामीणों को शक होने पर उन्होंने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बदमाशों के चंगुल से बच्चे को मुक्त कराया ।

यह जानकारी खुद बच्चे ने झुंझुनूं के भाटीवाड़ के ग्रामीणों को दी । जी, हां बच्चे को दस्तयाब करने के ऑपरेशन में शामिल ग्रामीण सुरेंद्र महला भाटीवाड़ ने बताया कि जब बच्चा उन्हें मिला और ग्रामीणों ने बच्चे की बात परिजनों से करवाई। इसके बाद बच्चे ने ग्रामीणों को बताया कि जो दो बदमाश थे। वो उसे बार-बार कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए बोल रहे थे। यही नहीं वो बोल रहे थे कि वे उसके परिजनों के पास से 50 लाख रूपए लेकर उसे छोड़ देंगे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन ग्रामीणों ने बच्चे से हुई बातचीत के मुताबिक यह जानकारी मीडिया के साथ साझा की ।

इस ऑपरेशन में शामिल अनिल शर्मा ने बताया कि भाटीवाड़ गांव में संदिग्ध बोलेरो गाड़ी शाम को घुम रही थी। एक दुकान से बोलेरो में सवार युवक ने कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट भी लिया और फिर छावसरी गांव की तरफ चली गई। गांव के लोगों को शक हुआ तो गाड़ी का पीछा किया गया। ग्रामीणों को पीछे आते देख बदमाश गाड़ी और बच्चे को छोड़कर भाग गए। जब ग्रामीण पहुंचे तो बच्चा हेल्प मी... हेल्प मी.... की आवाज दे रहा था। ग्रामीण मनोज महला ने बताया कि गांव के अंदर जब गाड़ी चक्कर लगा रही थी। उसी दरमियान गांव के एक व्यक्ति ने बोलेरो गाड़ी में एक बच्चा भी देखा। यह गाड़ी बार-बार चक्कर लगा रही थी तभी शक के घेरे में आ गई। वहीं जब एक दूसरे ग्रामीण ने गांव के लोगों को बताया कि बोलेरो में एक बच्चा भी है। तो ग्रामीणों को इस गाड़ी पर पूरा शक हो गया और गांव के लोगों ने छावसरी की तरफ गाड़ी को ढूंढा। वहीं ग्रामीणों की एक टीम नदी क्षेत्र में चली गई। ग्रामीणों को आते देख बदमाश भाग गए।

ग्रामीणों ने बताया कि भाटीवाड़ गांव के लोगों ने करीब दो से तीन घंटे तक शाम को नदी क्षेत्र में सर्च किया। नदी क्षेत्र वीरान और वहां बड़े -बड़े कूंचे थे। ऐसे में सर्च कर पाना मुश्किल था। फिर भी ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार बच्चे तक पहुंच ही गए। ग्रामीणों ने बताया कि जब ग्रामीण बोलेरो की ओर आगे बढ़ रहे थे तो बदमाशों ने ग्रामीणों को डराने के लिए हथियार होने का संकेत दिया। दोनों आपस में बतिया रहे थे कि हथियार निकालो... हथियार निकालो....। इसलिए ग्रामीण एक बार घबरा गए इसी का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। गाड़ी और बच्चा छोड़ गए। यह जानकारी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुर्धीद्र मूंड के पास भी पहुंची। जिन्होंने फोन कर अपनी टीम को सर्च में लगाया और सभी को कहा कि 4 अक्टूबर को उनकी बेटी का जन्मदिन है। वे जब तक बच्चा सकुशल नहीं मिल जाता है तब तक अपनी बेटी के जन्मदिन का केक नहीं काटेंगे।

**'ग्रामीणों को देंगे प्रशंसा पत्र':-** बच्चे को दस्तयाब करने के बाद सीकर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा कि बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था। यही नहीं, जहां-जहां जिस-जिस गांव का इनपुट मिला। उसी गांव के लोगों ने पुलिस का सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भाटीवाड़ और खींवासर के जिन लोगों ने इस ऑपरेशन में सहयोग किया है। उन्हें वे अपने हस्ताक्षरों से प्रशंसा पत्र देंगे। सीकर एसपी ने झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा के त्वरित एक्शन के साथ किए गए सहयोग की भी जमकर तारिफ की।

# ग्रामीणों ने असामाजिक तत्वों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

## पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे बदमाशों की सात बाइक ग्रामीणों ने पुलिस को दी

सारंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने बदमाशों की बाइकों को पुलिस को सुपुर्द किया।

**कानोड़, (निसं)।** ग्राम पंचायत सारंगपुरा के सीड़ गांव में बुधवार रात को खेल मैदान पर कुछ लोगों के बैठे होने की सूचना ग्रामीणों की मिली तो काफी संख्या में ग्रामीण खेल मैदान पहुंच गए, तो वहां बैठे लोग ग्रामीणों को देखकर भागने लगे जिसमें से पांच लोगों को ग्रामीणों ने दबोच लिया बाकी मौके से भाग निकले।

ग्रामीणों ने पकड़े गए युवकों से की गई पूछताछ में बार-बार बयान बदलने की वजह से ग्रामीणों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद तीन पुलिसकर्मी रात करीब 1:30 बजे मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने 5 युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा । वही प्रातः काफी संख्या में ग्रामीण पुलिस थाने पहुंचे और पकडे गए युवकों सहित मौका पाकर भागे लोगों की 07 बाइक पुलिस के हवाले किया। जिसमें से कुछ वाहनों के नंबर तक नहीं थे।

स्थानीय सरपंच प्रकाश मीणा सहित ग्रामीणों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर लगातार चोरियों की वारदातें इन्हीं लोगों द्वारा करने का संदेश जताया और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण किशन लाल पिता नारायण लाल मीणा ने कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस थाने में दिए गए पत्र में बताया कि बीते लंबे समय से असामाजिक तत्वों ने गांव में आतंक मचा रखा है । असामाजिक तत्व बीती रात को खेल मैदान में मीटिंग कर रहे थे गांव वालों को पता चला फिर गांव वाले खेल मैदान पहुंचे जहां मौजूद भूरा लाल पिता नाना लाल मीणा, रतनलाल पिता तुलसीराम मीणा निवासी आंबाकुआं मौके पर अपनी बाइक छोड़कर भाग गए ।

प्रार्थी ने आरोप लगाया कि हमारे गांव में मंदिर नारसिंह माता के दानपात्र को करीब 1 माह पूर्व तोड़ा गया आए दिन लोग हमारे गांव में चोरियां कर रहे हैं।

# अफीम का दूध बरामद, अध्यापक सहित दो गिरफ्तार

चितलवाना पुलिस ने अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

**जालोर, (कासं)।** डीएसटी एवं चितलवाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही में18 किलो, 995 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया है। तथा आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से अर्जित 11,98,000/- रूपये की नकद राशि जब्त की है। बरामद उक्त अफीम की बाजार किमत पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

जालोर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार गठित पुलिस टीमों ने निरन्तर प्रभावी गश्त, नाकाबंदी एवं तकनीकी के आधार पर एनएच 68 सरहद चारणीम से श्रवण कुमार (38) पुत्र रुगनाथराम, जाति विश्नोई, निवासी रतनपुरा, पुलिस थाना चितलवाना एवं कैलाशचन्द्र (34) पुत्र हरीशचन्द्र, जाति विश्नोई निवासी सेवाड़ा, पुलिस थाना करड़ा हाल अध्यापक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलार नाडी, सेवाड़ा पुलिस थाना करड़ा को दस्तयाब कर बड़ी कार्यवाही करते हुए मुलजिमानों से कब्जे से कुल 18 किलो 995 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध तथा अवैध मादक पदार्थ खरीद फरोख्त से अर्जित कुल 11,98,000 रुपये (ग्यारह लाख अठानवे हजार) रूपये की नकद राशि बरामद की ।

मुलजिमानों से मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रेटा कार को जब्त किया जाकर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण द्वारा भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध अपने कब्जे में रखकर परिवहन करने के जुर्म में प्रकरण दर्ज किया गया। मुलजिमानों से अवैध मादक पदार्थ अफीम के दूध की खरीद-फरोख्त के सम्बध में अनुसंधान जारी है।

# बीसलपुर से बनास नदी में पानी की निकासी बंद

**टोंक, (निसं)।** प्रदेश के प्रमुख बांध बीसलपुर बांध से बनास नदी में पानी की निकासी बंद कर दी गई है। गौरतलब होगा कि 26 अगस्त को बीसलपुर बांध के पूरे भराव की क्षमता 315.50 आरएलमीटर पार करने के बाद बीसलपुर बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरु की गई और उसके बाद चार गेट खोले गए थे। बाद में पानी आवक होने के साथ ही दो गेट व एक गेट को खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध से 40 दिनों तक बनास नदी में 10.5 टीएमसी पानी की निकासी की गई। वर्तमान में बीसलपुर बांध का जल स्तर 315.50 आरएलमीटर स्थिर है।

भारतीय सनातन संस्कृति के महान पर्व एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर शहर में शौर्य, साहस, शक्ति एवं समभाव प्रदर्शित करती पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों का पथ संचलन किया । नगरवासियों द्वारा चौराहों पर रंगोलियां व पुष्प वर्षा कर जगह जगह स्वागत किया गया। संघ के विभाग प्रचार प्रमुख महेंद्र विजय ने बताया कि मदरलैण्ड स्कूल में विजयादशमी उत्सव पर नगर संघ चालक दिनेश बुन्देल तथा प्रान्त सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दिनेश मणिरत्नम ने शस्त्र पूजन किया।

# सवाई माधोपुर-मथुरा सवारी गाड़ी पुनः स्पेशल के रूप में बहाल

**कोटा, (निसं)।** सवाई माधोपुर-मथुरा-सवाई माधोपुर के मध्य प्रतिदिन चलने वाली सवारी गाड़ी की सेवा पुनः बहाल कर दी गई है । सवाई माधोपुर और मथुरा के मध्य पूर्व में चलने वाली सवारी गाड़ी संख्या 54794/54793 को 'गाड़ी संख्या 04794 मथुरा से सवाई माधोपुर स्पेशल को दिनांक 07 अक्टूबर' से एवं 'गाड़ी संख्या 04793 सवाई माधोपुर से मथुरा को दिनांक 08 अक्टूबर' से स्पेशल गाड़ी के रूप में पुनः बहाल कर दिया गया है।

मथुरा से सवाई माधोपुर की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04794 प्रतिदिन दोपहर दो बजे मथुरा से प्रस्थान कर मुड़ेसी रामपुर दोपहर 02.09 बजे, चूरामन नगरी दोपहर 02.14 बजे, जैजनपट्टी दोपहर 02.22 बजे, रानीकुंड रारह दोपहर 02.28 बजे, धारूरमुई जाघना दोपहर 02.36 बजे, भरतपुर दोपहर 02.45 बजे, सेवार दोपहर 02.59 बजे, जैचोली दोपहर 03.06 बजे, पिन्गोरा दोपहर 03.13 बजे, दोपहर 03.24 बजे, सालाबाद दोपहर 03.31 बजे, बयाना दोपहर 03.46 बजे, डुमरिया दोपहर 03.59 बजे, फतेह सिंघपुरा शाम 04.09 बजे, धिन्डोरा हुक्मीखेरा शाम 04.16 बजे, हिण्डौन सिटी शाम 04.25 बजे, सिकरोड़ा मीना शाम 04.36 बजे, श्री महावीर जी शाम 04.44 बजे, खंदिप शाम 04.52 बजे, पिलिओदा शाम 04.59 बजे, छोटी ओदई शाम 05.09 बजे, गंगापुर सिटी शाम 05.35 बजे, लालपुर उमरी शाम 05.49 बजे, नारायणपुर तत्वार शाम 05.59 बजे, नोमोडा शाम 06.09 बजे, मलारना शाम 06.18 बजे, मोखोली शाम 06.34 बजे, रणथम्भौर शाम 06.44 बजे आगमन होकर सवाई माधोपुर शाम 07.35 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में सवाई माधोपुर से मथुरा की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04793 प्रतिदिन सुबह 05.45 बजे सवाई माधोपुर से प्रस्थान कर रणथम्भौर 05.54 बजे, मोखोली 06.04 बजे, मलारना 06.15 बजे, नोमोड़ा 06.24 बजे, नारायणपुर तत्वार 06.34 बजे, लालपुर उमरी 06.44 बजे, गंगापुर सिटी 07.00 बजे, छोटी ओदई 07.17 बजे, पिलिओदा 07.26 बजे, खंदिप 07.34 बजे, श्री महावीर जी 07.44 बजे, सिकरोड़ा मीना 07.51 बजे, हिण्डौन सिटी 07.58 बजे, धिन्डोरा हुक्मिखेरा 08.08 बजे, फतेह सिंघपुरा 08.15 बजे, डुमरिया 08.29 बजे, बयाना 08.40, सालाबाद 08.53, केला देवी 08.59 बजे, पिन्गोरा 09.09 बजे, जैचोली 09.17 बजे, सेवार 09.29 बजे, भरतपुर 09.45 बजे, धारूरमुई जाघना 09.59 बजे, रानीकुंड रारह 10.06 बजे, जैजनपट्टी 10.14 बजे, चूरामन नगरी 10.21 बजे, मुड़ेसी रामपुर 10.49 बजे आगमन होकर मथुरा 11.35 बजे पहुंचेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, पूछताछ नं 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

# महिला की मौत प्रकरण में पति गिरफ्तार

**जोधपुर, (कासं) ।** जोधपुर जिले के भोजासर हलके में महिला की संदिग्ध मौत पर पुलिस ने जांच कर उसके पति को गिरफ्तार किया है। आज उससे पूछताछ की गई। महिला की हत्या उसके पति ने मनमुटाव के चलते की थी। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी पति ने अपने दोस्त का सहयोग लिया था। आरोपी पति गिरफ्तार किया गया है। जबकि दोस्त की तलाश की जा रही है। आरोपी स्कूल में अध्यापक है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल ने बताया कि 20 सितंबर को कृष्णनगर चाडी भोजासर निवासी धीरज पुत्री नैनूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री धीरज की शादी श्रवण कुमार विश्नोई निवासी मानेवडा के साथ की हुई थी। 18-19 सितंबर की रात में श्रवण कुमार ने अपने दोस्तों सुरेश एवं सादुल सिंह के साथ मिलकर हत्या कर साक्ष्य नष्ट करनें के नीयत से पानी में रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया।

पुलिस अधीक्षक कयाल ने बताया कि उक्त वारदात की गम्भीरता को देखते पुलिस की टीम ओसियां वृताधिकारी नूर मोहम्मद के साथ गठित की गई। घटनाक्रम में अनुसंधान किया गया तो पता लगा कि अभियुक्त श्रवणकुमार व उनकी पत्नी धीरज के बीच में शादी के कुछ समय बाद से ही आपसी मनमुटाव एवं तकरार रहने के कारण पूर्व में भी अपनी पत्नी को मारनें का प्रयास किया था। 18-19. सितंबर की रात में श्रवण कुमार द्वारा अपनी पत्नी धीरज को जान से मारनें के उदेश्य से अपने परिचित दोस्त चंपासर निवासी सादुल राजपूत के साथ मिलकर अपनी पत्नी धीरज को घर से बाहर बुलाकर मुंह व नाक पर कपडा ठूंस दिया। मृतका के दांत जुड जानें पर श्रवण कुमार व सादुल सिंह द्वारा रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया गया। बाद में आरोपी श्रवण कुमार द्वारा नोखा एवं सादूल सिंह द्वारा गुजरात भाग जाना पाया गया। सादूल सिंह को पुलिस ने दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

# रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले बारिश में भीगे

बारिश में भीगते हुए रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले।

**टोंक, (निसं)।** जिला मुख्यालय पर दशहरे के दिन बुधवार शाम को अचानक मौसम बिगडने के साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया। शाम को 4 बजे बाद मौसम परिवर्तन होने लगा और बादल छाने के साथ घटाएं आना शुरु हो गई और शाम 5 बजे बाद से बारिश का दौर शुरु हो गया। अचानक बारिश का दौर शुरु होने से टोंक शहर में दशहरा महोत्सव के तहत स्टेडियम के पास हॉट बाजार में खडे रावण दहन के लिए खडे रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले भीग गए।

बारिश के चलते गांधी खेल मैदान टोंक में आयोजित दशहरा महोत्सव के तहत खडा 51 फूट का पुतला भीग गया और दशहरे के दिन रावण दहन को बारिश के चलते रावण दहन कार्यक्रम में अग्नि संस्कार की जगह जल संस्कार का नजारा देखने को मिला। जिसके चलते आयोजक एवं रावण के पुतला दहन कार्यक्रम में लगे शोरगर आतिशबाजी के पटाखों की सुरक्षा करते हुए नजर आए। इधर बारिश के बावजूद भी चारभुजा नाथ व्यायाम शाला के पट्टे दिखाने वाले हर हर बंम के नारे लगाते हुए मुख्य बाजार से होते हुए मंशापूर्ण भूश्तेवर महादेव मन्दिर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक आयोजक रावण की दहन की व्यवस्था में जुटे थे।

# छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

**डूंगरपुर, (निसं)।** जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के नेगाला गांव में 12 कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर में चुन्नी से फंासी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतका की मां और भाई दुकान पर गए हुए थे। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मृतका की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी पुलिस ने बताया कि नेगाला निवासी लीला ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पति की कई साल पहले मौत हो चुकी है । कल सुबह लीला और उसका बेटा दोनों दुकान पर चले गए थे। घर पर उसकी 18 वर्षीय बेटी वसुंधरा अकेली थी। दोपहर को लीला भोजन बनाने के लिए वापस अपने घर पहुंची, लेकिन घर का दरवाजा बंद था। काफी देर तक दरवाजा खट-खटाया और आवाज भी लगाई, लेकिन वसुंधरा ने दरवाजा नहीं खोला।

लीला ने मामले की जानकारी अपने पडोसियों दी। जिस पर पडौसी लीला के घर पहुंचे। इस दौरान पडौसियों ने घर की छत के केलू हटवा और छत के रास्ते से घर के अन्दर घुसे। अंदर घुसने पर देखा तो वसुंधरा घर में ही पाट पर चुन्नी का फंदा लगाकर लटकी हुई थी। इस पर लोगो ने वसुंधरा को नीचे उतारा और डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आये। जहा पर डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

# जालोर में बजरी माफिया लीज पूरी होने के बाद भी वसूल रहा रॉयल्टी

## दो माह पहले ही जालोर तहसील का रॉयल्टी का ठेका पूरा होने के बाद भी हो रही अवैध वसूली

**जालोर, (कासं)।** जिला मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में बजरी माफियाओं द्वारा अवैध रॉयल्टी वसूलन कर भी रसीद नहीं दी जारी है। लीज का समय पूरा होने के बावजूद भी बजरी माफिया नाका पर बैठे हैं। इसको लेकर बुधवार को बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में बताया कि एसोसिएशन के सदस्य लंबे समय से शहर में बजरी और गिट्टी की सप्लाई का काम कर रहे हैं । साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले खुद रात को नदी में अवैध खनन कर यार्ड को भरते हैं और सुबह अवैध रॉयल्टी रवन्ना देते है। साथ ही उन्होंने बताया कि दो माह पहले ही जालोर तहसील का बजरी खनन रॉयल्टी का ठेका पूरा हो चुका है, फिर भी रॉयल्टी वाले लिए गए पैसे की रसीद भी नहीं देते और न ही इन पैसों की कहीं एंट्री की जाती है।

बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रॉयल्टी से मंगाई गई बजरी के ट्रैक्टर को जबरन और अवैध तरीके से पकडकर थाने में खड़ा करवा देते हैं और माइनिंग विभाग वाले ऑफिस में बैठे-बैठे सुपर्दगीनामा बना देते हैं, इसकी हमें आरटीआई और रिपोर्ट भी नहीं दी जाती। इतना ही नहीं रॉयल्टी वाले रात के समय नदी के पास वाले बेरों पर आकर लोगों को धमकाते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते हैं जिससे यहां के लोगों में भय व्याप्त है।

एसोसिएशन ने रॉयल्टी से डंपर भरकर लाई गई बजरी को ट्रैक्टर से डालने के लिए परमिट देने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने नियमानुसार रॉयल्टी देने पर भी सहमति जताई। साथ ही उन्होंने अवैध वसूली करने वाले रॉयल्टी ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की भी मांग की है।

# 'पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है'

**अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश तो है नहीं, ये तो पॉलिटिक्स है : खाचरियावास**

**जयपुर**, (का.प्र.)। कभी सचिन पायलट के खास सिपहसालार रहे और अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नजदीक बने हुए राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि इस वक्त राजस्थान हॉट है। परसों रात को सचिन पायलट मेरे घर आए, उन्होंने काफी पी, गप्पे ठोके। वो सिविल लाइंस में मेरे घर के बराबर पास ही में रहते हैं। पहले हम दोनों ने बीजेपी के खिलाफ बहुत आंदोलन भी लड़े हैं। वो मेरे घर आ गए, डेढ़ घंटे बात कर गए, तो पूरे देश में खबर हो गई कि प्रताप सिंह खाचरियावास के घर पर सचिन पायलट क्यों आ गए? क्या कारण था? क्या बातें हुईं? अब मैं क्या बताऊं, सब बातें बताने की होती हैं क्या? मैं भी समझने लगा हूँ। कुछ बातें अंदर भी रहनी चाहिए। वो ठीक रहता है।

2020 में कांग्रेस की बगावत के समय सचिन पायलट के खिलाफ लगातार बयानबाजी करने वाले प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है।राजस्थान का माहौल अच्छा हुआ है। तो खुश होना चाहिए कि माहौल ठीक हुआ है। पायलट ने तो हमारी मुलाकात को लेकर एक शब्द भी नहीं बोला। दरअसल यह बात कहकर खाचरियावास ने जताने का प्रयास किया है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों के लिए वह सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

खाचरियावास ने दोहराया कि मैंने ये कहा कि वो मेरे यहां आए, भजन-कीर्तन तो करेंगे नहीं, बात ही करेंगे। सब बात भी हुई है। उसके बाद मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मिला। क्योंकि मैं उनके साथ मंत्री हूँ। हम एक परिवार में बैठे हैं। अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश नहीं है। ये पॉलिटिक्स है। माहौल बना दिया गया है कि दोनों में व्यक्तिगत रंजिश है, ऐसा नहीं है। दोनों एक ही पार्टी में काम करते हैं। गहलोत बहुत सीनियर हैं, पायलट यंग लीडर हैं।

जयपुर में अपने सरकारी निवास पर खाचरियावास ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है एक स्टेट में एक नहीं 10 नेता होने चाहिए,क्योंकि राहुल गांधी चाहते हैं पूरे देश के हर स्टेट में कांग्रेस के पास 10-10, 20-20 नेता हों। सब फेस मिलकर जबरदस्त वोट लेकर आए और कांग्रेस जीते। नेताओं की फौज जितनी ज्यादा होगी उतना फायदा होगा।

92 विधायकों के इस्तीफे को लेकर खाचरियावास ने कहा कि सारा मामला होने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत दिल्ली गए और बाहर आकर बहुत बड़प्पन के साथ माफी मांगी। गहलोत कांग्रेस विधायक दल के लीडर हैं, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। 2023 में कैसे कांग्रेस सरकार बनाएगी, इसके लिए पूरे परिवार को एक होकर, बैठकर और फैसला करके तय करने की जरूरत है।

# प्रदेश में बुधवार को 36 नए करोना संक्रमित मिले

## पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में आठ नए मरीज मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर**। प्रदेश में बुधवार को करोना संक्रमण के 36 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 54 मरीज ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर तीन सौ से भी कम रह गए हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या पचास से नीचे बनी हुई है। बुधवार को 13 जिलों में 36 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को इनकी संख्या 13 रही थी। इधर राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व पाली में 5-5, कोटा व उदयपुर में 4-4, अलवर में 3 तथा भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, दौसा, झालावाड़ और डूंगरपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8 हजार 36 सैम्पल की जांच की गई है। राज्य में बुधवार को 54 संक्रमित ठीक हुए हैं। लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 298 रह गए हैं। जयपुर में आज 9 और मरीजों के रिकवर होने से 65 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9642 लोगों की जान जा चुकी है।

उधर, राजधानी जयपुर में बुधवार को 9 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें आमेर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, जौहरी बाजार, कोटपूतली, मालवीय नगर और मानसरोवर में 1-1 नया मरीज मिला है।

## संविदा कर्मियों की नियुक्ति निरस्त करने का आदेश रद्द

**जयपुर**। हाईकोर्ट ने संविदा कर्मियों को नियुक्ति देने के सात दिन बाद ही उन्हें बिना सुनवाई का मौका दिए नियुक्ति निरस्त बर्खास्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मंजू जायसवाल व अन्य की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि बर्खास्त करने से पहले याचिकाकर्ताओं का पक्ष नहीं सुना गया, जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। ऐसे में 27 मई 2021 को जारी बर्खास्तगी आदेश रद्द किए जाते हैं, लेकिन यदि राज्य सरकार चाहे तो याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनकर नए सिरे से आदेश पारित कर सकती है।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने एएनएम, फार्मासिस्ट और जीएनएम सहित अन्य पदों पर संविदा से भर्ती करने के लिए 3 मई 2021 को भर्ती निकाली। जिसमें याचिकाकर्ताओं ने भाग लिया और विभाग की ओर से नियुक्ति मिलने पर उन्होंने बीस मई को संबंधित पदों का कार्यभार संभाल लिया। पद ग्रहण करने के सात दिन बाद ही विभाग ने 27 मई को आदेश जारी कर बिना कारण बताए याचिकाकर्ताओं को बर्खास्त कर दिया।

# व्याख्याता के तबादले पर रेट ने लगाई रोक

**जयपुर**, (का.सं.)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने स्कूल व्याख्याता और एनसीसी के एसोसिएट अफसर का तबादला करने और कार्य मुक्त करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अधिकरण ने सदस्य एनएम काला और शुचि शर्मा ने यह आदेश भौतिक विज्ञान के व्याख्याता बेनी प्रसाद सोनी की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अधिकरणको बताया कि अपीलार्थी टोंक के एक स्कूल में व्याख्याता लगा हुआ है। राज्य सरकार ने एसोसिएशट ऑफिसर के पद पर कमीशन के लिए लाखों रुपए खर्च कर अपीलार्थी की विशेष ट्रेनिंग कराई। ट्रेनिंग का उद्देश्य था कि याचिकाकर्ता स्कूल व्याख्याता के साथ-साथ स्कूल में एनसीसी लेने वाले विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित कर सके। इसके बावजूद ट्रेनिंग के बाद में शिक्षा निदेशक ने उसका तबादला भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर ब्लॉक में ऐसे स्कूल में कर दिया जहां एनसीसी ही नहीं है। जबकि राज्य सरकार के नियमों के तहत एनसीसी अफसर का तबादला सामान्य स्कूल में नहीं किया जा सकता। अपीलार्थी की ओर से संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में लिखित परिवेदना भी पेश की गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अपील में कहा गया कि जहाजपुर की स्कूल में एनसीसी की सुविधा नहीं होने से याचिकाकर्ता की ट्रेनिंग पर राज्य सरकार की ओर से किया गया लाखों रुपए का खर्च व्यर्थ हो गया और उसकी ट्रेनिंग का लाभ किसी विद्यार्थी को भी नहीं मिल रहा। ऐसे में उसके तबादला आदेश और कार्य मुक्त करने के आदेशों को रद्द किया जाए।

## सराफ ने पथ संचलन पर पुष्प वर्षा की

**जयपुर**। सत्य एवं न्याय की विजय के प्रतीक विजयदशमी उत्सव के गौरवशाली अवसर पर आयोजित शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महेश नगर एवं गोपाल नगर के स्वयं सेवकों के पथ संचलन का संगम त्रिवेणी नगर चौराहा पर हुआ। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा की, वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाये गये।

## नागपुर में "तीर" संगठन की स्टाल का उद्घाटन

**जयपुर**, (का.सं.)। ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के महासचिव अशोक मीणा ने बताया कि विजयादशमी के दिन ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नागपुर के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने "तीर" संगठन की पांडाल में लगी स्टॉल का उद्घाटन कर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा बुद्ध भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्जित किए। इस अवसर पर भारतीय विमा कर्मचारी सेना, नागपुर के वरिष्ठ साथी अजीत रानाडे भी उपस्थित रहे।

ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के 15 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने इसमें भाग लिया तथा दीक्षाभूमि के पांडाल में मुख्य रूप से जरूरतमंद लोगों को 100000 तक की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी का निशुल्क वितरण किया तथा विशेष तौर से गरीब स्कूली बच्चों को स्टेशनरी का सामान भी वितरित किया गया।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिन भारतीय बौद्धों का एक प्रमुख उत्सव है। दुनिया भर से लाखों बौद्ध अनुयाई एकट्ठा होकर हर साल अशोक विजयादशमी एवं 14 अक्टूबर को मुख्य रुप से दीक्षाभूमि, नागपुर महाराष्ट्र में मनाते हैं। डॉ. आंबेडकर ने जहां बौद्ध धम्म की दीक्षा ली वह भूमि आज दीक्षाभूमि के नाम से जानी जाती है। इस अवसर पर देशभर के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक उपक्रमों के अनुसूचित जाति/जनजाति के लाखों कार्मिक इसका हिस्सा बन, वहां आने वाले सभी अनुयायियों की यथासंभव सेवा करते हैं।

# 201 आरएएस अफसरों के तबादले

**जयपुर** (कासं.)। राजस्थान सरकार ने आज एक आदेश जारी कर राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 201 अफसरों के तबादले किये है।

तबादलों ने मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार वर्मा को अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर, सुखवीर सैनी को अतिरिक्त महानिरीक्षक (प्रशासन), पंजीयन एवं मुद्रांक, जयपुर, विवेक कुमार को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (ख) विभाग, जयपुर, गौरव चतुर्वेदी को अतिरिक्त निदेशक, आईईसी-कम-परियोजना निदेशक, एनएचएम राजस्थान, जयपुर, राजेन्द्र सिंह कविया को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-3) विभाग, जयपुर, सुनील भाटी को कार्यकारी निदेशक राजस्थान स्टेट वेबरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जयपुर, पंकज कुमार ओझा को रजिस्ट्रार राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण, जयपुर, डॉ. वीरेन्द्र सिंह को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयपुर-प्रथम, प्रियंका जोधावत को अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र जयपुर, आभा बेनीवाल को विशेषाधिकारी (भूमि अवाप्ति) रीको, जयपुर, मेघराज सिंह मीणा को उपायुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, महेन्द्र कुमार मीणा को जिला रसद अधिकारी (प्रथम), जयपुर, अनुराधा गोगिया को जिला रसद अधिकारी (द्वितीय), जयपुर, हाकम खाँ को उफ निदेशक शांति एवं अहिंसा विभाग, जयपुर, सोमदत्त दीक्षित को उफ मुख्य निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचन विभाग, जयपुर, सत्य प्रकाश कस्वां को प्राधिकृत अधिकारी, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, रवि वर्मा को भूमि अवाप्ति अधिकारी रीको, जयपुर, शीलावती मीणा को परियोजना निदेशक एवं राज्य नोजल अधिकारी पीसीपीएनडीटी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान, जयपुर, सुनील शर्मा-1 को सहायक कलस्टर (मुख्यालय) आमेर जयपुर, ओम प्रकाश थानवी को भूमि अवाप्ति अधिकारी, रीको, जयपुर, राकेश कुमार-II को उप निदेशक, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर के पद पर लगाया है।

## 'हर खेत को सिंचित रखने की सोच को आगे बढ़ा रही मोदी सरकार'

**जयपुर**। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत में मोदी सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को सिंचित रखने की सक्रियता से "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" की सोच को आगे बढ़ा रही है। बुधवार को शेखावत ने एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) में अयोजित 24वीं आईसीआईडी महासभा को संबोधित किया।

# लोगों की समस्याओं के शीघ्र निपटारे के निर्देश

**जयपुर**, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य ध्येय अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसाधारण की समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक जनसुनवाई की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। आमजन की समस्याओं को प्रभावी रूप से निचले स्तर पर ही त्वरित निस्तारित किया जा रहा है, इस कारण मुख्यमंत्री स्तर तक आने वाली आमजन की समस्याओं में 50 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकायों एवं स्वायत्त शासन में भी लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन अभाव अभियोग निराकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन की संकल्पना को तभी साकार माना जा सकता है जब आमजन के जरूरी काम समय पर होने के साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित एवं उचित निस्तारण भी हो सके। मुख्यमंत्री ने सम्पर्क पोर्टल, हैल्पलाइन 181, जनसुनवाई तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ समस्याओं के निराकरण कार्य को करें।

बैठक में बताया गया कि हैल्पलाइन 181 पर 1 जनवरी 2019 से अब तक लगभग 73 लाख प्रकरण पंजीकृत किए गए हैं। इनमें से लगभग 71.60 लाख (98 प्रतिशत से अधिक) प्रकरणों को निस्तारित किया जा चुका है।

गहलोत ने हैल्पलाइन 181 के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं उचित निराकरण के चलते प्रदेशवासियों में सरकार के प्रति संतुष्टि का भाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। गहलोत ने अपराधों एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए ताकि फरियादी को समयबद्ध रूप से न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके।

# बचपन की गलियों में सी.एम.

**जोधपुर**, (कासं)। दशहरा महोत्सव में भाग लेने जोधपुर आए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार दोपहर अपने बचपन की गलियों से रूबरू हुए। लंबे अरसे बाद वे महामंदिर स्थित अपने पुराने मोहल्ले में पहुंचे। जिस गली में खेल गहलोत बड़े हुए उसी गली में वे अपने चिरपरिचित अंदाज में चहल-कदमी करते हुए निकले और अपने बचपन की यादों को ताजा किया।

इस दौरान गहलोत ने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया तो युवाओं के कंधों पर हाथ रख उनसे कुशलक्षेम पूछी। गहलोत ने वहां मौजूद सभी लोगों से मिलने का प्रयास किया। कुछ बुजुर्गों से भी उनका हाल पूछते हुए वे आगे बढ़े। लोगों ने उनका साफा पहना अभिनन्दन किया। वे अपनी शुरुआती जैन स्कूल में पहुंचे। उन्होंने वहां प्रवास कर रहे जैन संत आचार्य हीरामुनी और महेंद्र मुनि से आशीर्वाद लिया।

वे आपने पैतृक मकान के निकट रहने वाले समाजसेवी सूरज सिंह टाक के निधन पर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे थे।

## एयरपोर्ट पर मीडिया से बात की

मुख्यमंत्री जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल के सफल आयोजन के बाद अब प्रदेश में शीघ्र ही राजीव गांधी शहरी ओलंपिक की शुरूआत होने जा रही है। हमारी मंशा है कि इंदिरा गांधी जयंती से खेलों के आयोजनों की शुरूआत की जाए। लगभग 30 लाख लोगों ने पंजीयन कराकर मैदान में बिना किसी भेदभाव के खेल भावना का परिचय दिया। इसी उत्साह के साथ अब शहरों में भी खेलों का आयोजन किया जाएगा।

गहलोत ने कहा कि आयोजन को लेकर शहरी निकायों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रदेश में खेल मैदानों का विकास करने के साथ ही खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

## युवाओं को समर्पित होगा अगला बजट

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार राजस्थान में किसानों के लिए अलग से कृषि बजट प्रस्तुत किया गया। अब आगामी बजट युवाओं को समर्पित होगा। श्री गहलोत ने प्रदेश के युवाओं और हर वर्ग से आ ान किया कि वे अगले बजट के लिए अपने सुझाव भेजें, ताकि युवाओं के लिए अहम फैसले लिए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रयास रहेगा कि आमजन से प्राप्त सुझावों को बजट में शामिल किया जाए।

## महाराव शेखाजी की जयंती मनाई

**जोधपुर**, (कासं)। महाराव शेखाजी संस्थान जोधपुर के तत्वाधान में महाराव शेखाजी की 589 वी जयंती व प्रतिभा सम्मान समारोह बुधवार को बीजेएस कॉलोनी के राजपूत सभा भवन में हुआ। 21 युवाओं ने रक्तदान किया।

अनिरुद्ध सिंह शेखावत, अनिरुद्ध सिंह, समरजीत सिंह शेखावत, भानु प्रताप सिंह मूमल कुंवर, अभिषेक सिंह शेखावत, धीरेंद्र सिंह, डिंपल राठौड विजय सिंह, राजवीर सिंह भाटी, मूलराज सिंह, यशपाल सिंह आदित्य सिंह, पृथ्वीपाल सिंह, पूरण सिंह, चंद्रवीर सिंह महिपाल सिंह, शिवपाल सिंह, शिवराज सिंह, तन्वी भाटी, हर्षिता चौहान, रविंद्र सिंह, ज्योत्सना का सम्मान किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में मूल सिंह सेवा, प्रह्लाद सिंह गुढा, राजेंद्र सिंह लीलिया, गणपत सिंह, विजय सिंह, पदम सिंह, महेंद्र सिंह नरेंद्र सिंह, भोपाल सिंह का सम्मान किया।

# विजयादशमी पर स्पीकर बिरला ने इंडोनेशिया के मंदिर में की आराधना

**जयपुर**, (का.सं.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो वर्तमान में 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया में है, ने बाली में गरुड़ विष्णु केंकाना कल्चरल पार्क का दौरा किया। गरुड़ विष्णु केनकाना कल्चरल पार्क में स्थित विशाल गरुड़ विष्णु केनकाना प्रतिमा वास्तुशिल्प और इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है। यह प्रतिमा भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। इस अवसर पर बिरला को प्रतिमा की अवधारणा और संकल्पना के बारे में जानकारी दी गई। बिरला को यह जानकर खुशी हुई कि भारत की सांस्कृतिक उत्कृष्टता की झलक बाली में इतनी खूबसूरती से दर्शाई गयी है। उसके बाद प्रतिनिधिमंडल बाली के विश्व प्रसिद्ध उलुवातु मंदिर पहुंचा। यह मंदिर बाली के नौ प्रमुख डायरेक्शनल मंदिरों में से एक है। अद्भुत वास्तुकला से सुसज्जित, यह मंदिर एक अद्वितीय स्थान पर स्थित है जहां ऊपर घने बादल हैं और नीचे चट्टानों पर लहरें आकर टकराती हैं। बाद में, बिरला ने उलुवातु केकक डांस ओपन थिएटर, बाली में केकक नृत्य प्रदर्शन देखा। चूंकि यह नृत्य रामायण से प्रेरित है, इसलिए इससे विशेष रूप से भारतीय मूल के लोगों में गर्व की भावना उत्पन्न होती है।

# रॉकेट को पूर्व महाराजा गजसिंह व मुख्यमंत्री गहलोत ने लौ दिखाई

**जोधपुर**, (कासं)। जोधपुर में हर बार की तरह इस बार भी शहर में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गाय। नगर निगम उत्तर व दक्षिण की और से रावण का चबूतरा मैदान पर गोधूलि वेला में रावण दहन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए। इसके अलावा भी शहर के विभिन्न हिस्सों में रावण दहन किया गया। गली मौहल्लों में भी छोटे छोटे रावण के पुतलों को आग लगाई गई।

इस बार रावण व परिजनों के पुतलों को बनाने का काम मथुरा से आए कारीगरों ने किया। रावण के पुतले को सिल्क की धोती, जोधपुरी अचकन और जूतियां पहनाई गई।

दहन से पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राम दरबार की पूजा की। मैदान में रावण दहन देखने आने वालों के लिए प्रवेश की अलग-अलग व्यवस्था की गई। पुलिस की व्यवस्था भी चाक चैबंद रही। जाम नहीं लगे इसके लिए रूट डायवर्ट किया गया। इसके अलावा प्रवेश के सभी गेट और मैदान के बाहर पुलिस के जवान तैनात रहे। रॉकेट को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व महाराजा गजसिंह ने लौ दिखाई। कार्यक्रम के बाद रवाना होने के समय जोधपुर की जनता का अभिवादन किया। रावण दहन के बाद मुख्यमंत्री जयपुर के लिए रवाना हो गए।

इस बार नगर निगम उत्तर व नगर निगम दक्षिण ने संयुक्त रूप से दशहरा महोत्सव का आयोजन किया।

आज सुबह 11 बजे निगम के अधिकारी एवं पूर्व राजपरिवार के सदस्य मेहरानगढ दुर्ग पंहुचे तथा प्रभु श्रीराम और मां चामुण्डा की पूजा अर्चना की। उसके बाद मुहुर्त के अनुसार दोपहर में विधिवत पूजा अर्चना कर राज व्यास श्रीराम की सवारी को रवाना किया गया। इस अवसर पर शहर के अखाडा दल के कार्यकर्ता हैरत अंगेज करतब दिखाते हुए राम सवारी के आगे चले। वही रास्तें मे आने वाले सभी मंदिरों में पूजा अर्चना कर भेंट राशि भी चढ़ाई गई। शाम को रावण चबूतरा मैदान पर अखाडा दल प्रभारियों का निगम की ओर से सम्मान भी किया गया।

## पाली में 5 मिनट में पुतला जला

**पाली**, (नि.सं.)। पाली के रामलीला मैदान में नगर परिषद की ओर से रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नगर परिषद की ओर से मैदान में बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस की भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय ने बताया कि मुख्य अतिथि सांसद पीपी चौधरी, अध्यक्षता जिला कलेक्टर नमित मेहता ने की। विशिष्ट अतिथि विधायक ज्ञानचंद पारख, गगनदीप सिंगला जिला पुलिस अधीक्षक, जिला प्रमुख रश्मि सिंह, राम धाम खेड़ापा संत सुजन दास महाराज, सभापति रेखा राकेश भाटी, उपसभापति ललित प्रतिमानी, नगर परिषद के पार्षद एवं मनोनीत पार्षद मौजूद रहे।

वहीं पानी दरवाजा से भगवान राम की शोभायात्रा रामलीला मैदान परिसर पहुंची तो भगवान राम तथा अहंकारी रावण के युद्ध को कलाकारों ने दर्शाया।

नगर परिषद द्वारा रंगीन रोशनी के साथ आतिशबाजी भी की गई जो प्रदूषण मुक्त थी। सबसे पहले लंका दहन किया गया। मेघनाथ, रावण, कुंभकरण के पुतले रिमोट कंट्रोल से अतिथियों द्वारा दबाकर दहन किया गया, लेकिन तीनों पुतले 5 मिनट के अंदर स्वाहा हो गए।

मंचासीन अतिथियों ने रामलीला कमेटी का भी सम्मान किया। आयोजित कार्यक्रम को देखने के लिए करीब 30 40 हजार लोग रामलीला मैदान पहुंचे।

## सार-समाचार

### वात्सल्य होम में बाल दिवस मनाया

**जालोर**, (कासं)। जिला मुख्यालय पर स्थित बालगृह वात्सल्य चाईल्ड केयर होम, जालोर में बुधवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद संजय कुमार वासु की अध्यक्षता में समाज कल्याण सप्ताह के तहत बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु ने केयर होम का निरीक्षण कर बच्चों को मिलने वाली भोजन,बिस्तर समेत दैनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी ली । आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम के दौरान बालगृह के बच्चों द्वारा भजन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ पढाई करने और आगे बढने की प्रेरणा देते हुए बच्चों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या के बारे में जानकारी ली। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद द्वारा केयर होम में उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष जताते हुए संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर पर जिला रोजगार अधिकारी आनंद कुमार सुथार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुभाष मणि, अधीक्षक खींवसिंह राजपुरोहित, समाज कल्याण विभाग छात्रावास अधीक्षक कैलाश कुमार जीनगर, लखमाराम भाटी , अशोक कुमार, रिंकु ,पारस, उषा कंवर, मोवन देवी सहित बालगृह के कार्मिक व बच्चे मौजूद रहे।

### आर्य वीर दल की बैठक आयोजित

**जालोर**, (कासं)। जालोर शहर के पुरानी सब्जी मण्डी स्थित आर्य वीरम व्यायामशाला में आर्य वीर दल की बैठक अध्यक्ष कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 8 से 9 अक्टूबर को गुरूवर मदनसिंह आर्य की पुण्यतिथि मनाने पर चर्चा की। आर्य वीर दल के महामंत्री शिवदत्त आर्य ने बताया कि तीनों व्यायामशाला में 8 अक्टूबर को सांयकाल 5 बजे यज्ञ का आयोजन होगा। 9 अक्टूबर को 10 बजे स्वर्गीय मदन सिंह आर्य की स्मृति में वैदिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार दिया जाएंगे। इसमें कक्षा 10वी तक अध्ययन करने वाले तथा आर्य वीर दल की व्यायामशाला में आने वाले आर्य वीर एवं वीरांगना ही भाग ले सकेंगे। बैठक में जिला संरक्षक दलपत सिंह आर्य, कोषाध्यक्ष विनोद आर्य, संगठन मंत्री कांतिलाल आर्य, शाखानायक कन्हैयालाल मिश्रा व पूर्व पार्षद जगदीश आर्य ने भाग लिया।

### बाप में पूंजा जयंती मनाई

**बाप**, (निसं)। बुधवार को समता सैनिक दल तहसील शाखा बाप के तत्वावधान में आदिवासी शुरवीर योद्धा पूंजा भील की जयंती मेघवालों के बास में समारोहपूर्वक मनाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वक्ताओं ने पूंजा राणा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शो को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान किया। कार्यकम में तहसील अध्यक्ष गणपत भाट, पुलिस अनुसंधान अधिकारी थाना जांबा के थानाराम भील, उपाध्यक्ष रामचंद्र पंवार, रामचंद्र पंवार, पुरखाराम पूनड, सुरजाराम भील, आशा सहयोगिनी संतोष मेघवाल, कमला भील, मांगूदेवी गर्ग, अमका मेघवाल, कमला भाट, करिश्मा भाट आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार भील समाज के न्याति नोहरा बाप में भी राणा पूंजा जयंती मनाई गई। इस दौरान बाबूराम, नखताराम भील, गणपत राम भील, सुखराम भील, सुरजाराम भील आदि उपस्थित रहे।

### देवी प्रतिमा का विसर्जन किया

**बाप**, (निसं) कस्बे में शारदीय नवरात्रा में नौ दिन रही डांडिया की खनक मंगलवार रात थम गई। बुधवार दोपहर बाद माता की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। कस्बे में दर्जियों का मौहल्ला, गणेश चौक व चौधरियों का बास में शक्ति की मूर्ति स्थापित की गई थी। युवक युवतियों द्वारा नौ दिन तक गरबा व डांडिया नृत्य किया गया। शारदीय नवरात्र के समापन के मौके पर मंगलवार को देर रात्रि तक गरबा व डांडिया नृत्य की धूम मची रही। गणेश चौक में रात दस बजे तक डांडिया व गरबा नृत्य हुआ, इसके बाद मां दुर्गा का रात्रि जागरण शुरू कर दिया गया। जागरण में भोर होने तक भक्ति सरिता बहती रही। बुधवार को देवी प्रतिमा विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई।

### संत भगतराम शास्त्री की शोभायात्रा

**पाली**, (नि.सं.)। पाली शहर के रत्नेश्वर महादेव परिसर में पिछले 4 महीने से चतुर्मास कर रहे संत भगत राम शास्त्री को अंतिम दिन प्रवचन के पश्चात श्रद्धालुओं ने विदाई दी। इस अवसर पर भक्तजनों ने मालाएं पहना स्वागत किया। इसके बाद बैंड बाजों के साथ जुलूस के रूप में रथ पर संत को बिठाकर नाचते गाते रत्नेश्वर महादेव से रवाना होकर अंबेडकर सर्किल , सूरजपोल होते हुए वीडी नगर स्थित संत निवास रामाकिशन मेवाड़ा के घर पहुंच समाप्त हुआ। अंबालाल सोलंकी बाबूलाल सोनी, बजरंग लाल हूरकट, हनुमान सिंह, संतोष दुबे, हशु वैष्णव, रामाकिशन सोलंकी, विजय राज सोनी, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

### पिंडवाड़ा में मकराना का स्वागत

**पिंडवाड़ा**, (निसं)। करणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना, राष्ट्रीय सचिव प्रहलाद सिंह पांचलवाडा व शेर सिंह कालवी ने केशव भगवान में राजपूत करणी सेना व केशव भक्त मंडल पदाधिकारियों व सदस्यों से भेंट की। स्थानीय बलवन्त सिंह राठौड़, हितेन्द्र सिंह डाबी, अजीत सिंह डाबी आदि मौजूद रहे।

देवली पर विशेषांक का लोकार्पण

**जोधपुर**, (कासं)। रावणा राजपुत समाज की लोकप्रिय हिन्दी मासिक पत्रिका का हाइफा हीरो मेजर दलपतसिंह देवली के 104 वें बलिदान दिवस पर प्रकाशित विशेषांक का लोकार्पण रावणा राजपुत समाज के पदाधिकारियों व अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने अपने निवास अजीत कॉलोनी में किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, मोतीलाल सांखला, सदस्य गौ सेवा आयोग राजस्थान सरकार, रावणा राजपुत समाज के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष शिवदान सिंह भाटी, मनोज परिहार, दुर्गासिंह चौहान, विजेन्द्रसिंह सोलंकी, गजेसिंह भाटी, विक्रमसिंह मांगलिया, सुरेन्द्रसिंह देवड़ा, रामेष्वर गहलोत तिंवरी, मनोज संचेती, रवि गहलोत, मुकेश गहलोत, औंकार सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

### वन्य जीव सप्ताह का आयोजन

**बाड़मेर**, (नि.सं.)। आमजन में वनों एवम वन्य जीवों व प्रकृति के संरक्षण के प्रति चेतना जागरूक करने को लेकर 2 से 8 अक्टूबर तक वन विभाग बाड़मेर द्वारा सम्पूर्ण जिले में वन्य जीव सप्ताह चल रहा है। बुधवार को कृष्णाभूमि छात्रावास के छात्र छात्राओं ने सहायक उप वन संरक्षक दीपक चौधरी के नेतृत्व में हिल्ली स्मृति उद्यान का एक दिवसीय भ्रमण किया। रेंजर चंद्र शेखर कौशिक ने छात्रों को विभिन्न वनस्पतियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता ललित सऊ व बाला राम सारण छात्रावास निदेशक कवि गोविन्द सारण उपस्थित रहे।

### आबू मार्बल संघ की कार्यकारिणी

**आबूरोड**, (निसं)। आबू मार्बल एसोसिएशन की नव निर्वाचित अध्यक्ष स्वंय उपाध्याय ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया। उपाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, सचिव सुरेन्द्र चौधरी, कोषाध्यक्ष पृथ्वीसिंह, सलाहकार महेन्द्र सिंह शेखावत, गणपत माली, सह सचिव अनिल गर्ग, सह कोषाध्यक्ष महावीर सिंह सिसोदिया को कार्यकारिणी में लिया। अध्यक्ष ने अपने चुनाव के लिए दिये मत व समर्थन को लेकर मतदाताओं का आभार जताया।

### लायंस क्लब ने फूड पैकेट बांटे

**आबूरोड**, (निसं)। डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम सेवा सप्ताह में लायंस क्लब आबूरोड अरावली ने फूड फॉर हंगर' के तहत दोपहर 12.30 बजे दो सौ फूड पैकेट बनवा कर उमरणी गांव के जरूरतमंद बच्चों में बांटे। सेवा गतिविधि में अध्यक्ष लॉयन पुनीत कुमार सोनी ने बताया कि लॉयन रितेश बंसल, लॉयन डॉ सुकांत अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

### स्वामीनारायण स्कूल में गरबा

**आबूरोड**, (निसं)। स्वामीनरायण उच्च माध्यमिक विद्यालय दानवाव में गरबा रास का संस्था सचिव जिग्नेश पटेल एवं प्रधानाचार्य राकेश व्यास ने मां अम्बे की आरती कर शुभारंभ किया। फैन्सी वेशभूषा प्रतियोगिता हुई। छात्र-छात्राओं ने गरबा नृत्य में हिस्सा लिया। अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं ने समूह गरबा नृत्य किया। रविन्द्र कुमार, कैलाश परमार, हेमंत बोराणा, सुरेश परिहार, आशिष शर्मा, गायत्री रावत आदि उपस्थित थे।

### संघ ने शस्त्र पूजन किया

**जैसलमेर**, (नि.सं.)। विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शस्त्र पूजन किया गया। घोष वादन के बाद सामुहिक समता , दंडप्रयोग व दण्ड योग का स्वयंसेवको द्वारा सामूहिक प्रदर्शन किया गया।

## सार-समाचार

### राणा पूंजा जयंती मनाई

**कपासन**, (निसं)। राणा पूंजा भील सेना उपशाखा कपासन के तत्वाधान में 5 अक्टूबर को राणा पूंजा जयंती बड़ी धूमधाम से कृषि उपज मंडी कपासन में मनाई गई जिला सचिव भेरूलाल ने बताया शोभा यात्रा विभिन्न प्रकार की झांकियां व डीजे के साथ शोभा यात्रा दुर्गा माता मंदिर परिसर शहर के मुख्य मार्ग सांवलिया चौराया स्टेशन रोड पांच बत्ती चौराहा पुराना बस स्टैंड धमाणा रोड चुंगी नाका उदयपुर रोड होते हुए कृषि उपज मंडी कपासन मैं महासभा का आयोजन हुआ जिसमें अध्यक्षता कालूराम राणा सूरजपुरा ने की मुख्य अतिथि अर्जुन लाल जीनगर विधायक कपासन भेरूलाल चौधरी पंचायत समिति कपासन विशिष्ट अतिथि नगर पालिका प्रतिनिधि आशीष सोनी मोहन लाल जाट सरपंच दामाखेड़ा, रतन नाथ योगी सरपंच रोलिया, प्यार चंद भील भोपाल सागर , इस मौके पर प्रधान भेरू लाल चौधरी ने राणा पूंजा भवन के लिए शीघ्र भूमि आवंटन के लिए आश्वस्त किया तथा विधायक अर्जुन लाल जीनगर ने भूमि आवंटन कर राणा पूंजा भवन व खेल मैदान के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की प्रधान चौधरी व विधायक ने समाज को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया तथा जिला अध्यक्ष कालूराम राणा ने राणा पूंजा जैसी शक्ति एकलव्य जैसी लगन शबरी जैसी भक्ति तथा राणा पूंजा के द्वारा महाराणा प्रताप के सहयोगी पराक्रम पराकाष्ठा के रूप में समाज को एक दूसरे की सहयोग की भावना के लिए प्रेरित किया इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष माधुलाल जिला सचिव भेरूलाल कल्याणपुरा, तहसील अध्यक्ष रामलाल ,उपाध्यक्ष रतनलाल, कोषाध्यक्ष सोहन बामणिया, सचिव नारायण लाल कल्याणपुरा, नगर अध्यक्ष चतुर्भुज युवा अध्यक्ष मेवालाल रोलिया, व शिवलाल कपासन, पूर्व सरपंच प्रभु लाल जी करजाली आदि मौजूद रहे।

### आतिशी अंदाज में हुआ रावण दहन

**डूंगरपुर**, (निसं)। बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयादशमी बुधवार को परम्परागत रूप से स्थानीय लक्ष्मण मैदान में रावण, कुंभकरण मेघनाथ के पुतलों का आतिशी अंदाज में दहन किया। दहन कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की तादाद में ग्रामीण जन उपस्थित थे। दशहरा पर्व को लेकर नगरपरिषद की ओर से शहर में रामबोला मठ मंदिर से राम सवारी निकाली गई जिसमें अश्व पर सवार जीवंत झांकियों के साथ ही भगवान राम, लक्षमण, सीता, हनुमान,झामवन्त के साथ ही रावण मेघनाद, कुम्भकर्ण की जीवंत झांकियों ने शहरवासियों का मनमोहा। राम सवारी का शहर में विभिन्न जगहों पर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। सवारी रामबोला मंदिर से तहसील चौराहा, गेपसागर की पाल होते हुए कंसारा चौक से भीतरी शहर होकर पुनः पुराना अस्पताल से तहसील चौराहा होकर लक्षमण ग्राउंड पहुँची जहा 4० फिट लम्बे घमंड के प्रतीक लंकापति रावण साहित मेघनाद व कुम्भकर्ण के पुतलों का दहन किया गया। शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए लक्ष्मण मैदान पहुंची। जहां पर राम रावण संवाद व विभीषण के सहयोग से शोरगर बन्धुओं द्वारा आकाशीय नजारों से युक्त आतिशबाजी के बाद रावण दहन कार्यक्रम सम्पादित किया। दहन कार्यक्रम को देखने प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से बेरीकेट लगाये गये थे,जहां से ग्रामीण सहित शहरी लोगों ने दहन कार्यक्रम को देख खुब सराहा। इस अवसर पर कई राजनीतिक पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन व नगरपरिषद के आलाधिकारी व जिले की हजारो की संख्या में जनमेदिनी मौजूद थी।

### शव परिजनों को सौंपा

**डूंगरपुर**, (निसं)। जिले के बिछीवाडा थाना क्षेत्र के एनएच 48 पर मंगलवार को एक कैंटेनर पलट ने से चालक की मौत हो गई थी, दूसरे दिन भरतपुर से परिजनों के पहुँचने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टन करवाकर शव परिजनों को सोप दिया। बिछीवाडा पुलिस ने बताया की मंगलवार को एक बंद बॉडी कैंटनर मशीन भर कर बिछीवाडा की तरफ से गुजरात जा रहा था। इस दौरान एनएच-48 पर कैंटेनर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में भरतपुर निवासी चालक हारुन पिता मौजू खान की नीचे दबने से मौत हो गई। उधर, हादसे की सूचना मिलने के बाद बिछीवाडा पुलिस मौके पहुंची और चालक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी घर में रखवाया था वही, पुलिस ने मृतक चालक के परिजनों को सूचना दी । इधर, बुधवार को परिजनों के भरतपुर से डूंगरपुर पहुँचने के बाद पुलिस मृतक चालक के शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया।

# 'हस्त कलाओं के संवर्धन के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत'

**डूंगरपुर**, (निसं)। केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्थानीय हस्त कलाओं के सरंक्षण और संवर्धन के लिए रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना में डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर स्वीकृत सोमपुरा मूर्तिकला और मृण शिल्प स्टॉल का उद्घाटन बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव के मुख्य आतिथ्य एवं सभापति अमृत कलासुआ की अध्यक्षता में हुआ।

समारोह में जिला कलेक्टर डॉ यादव ने कहां कि डूंगरपुर की मूर्तिकला अपने आप में विशिष्ट है। स्थानीय पारेवा पत्थर से बनी कलाकृतियां प्रदेश और देश में दुर्लभ हैं। उन्होंने कहा कि इस कला को अपेक्षित पहचान नहीं मिल पाई है। यह स्टॉल डूंगरपुर की इस अद्भुत कला को देश भर में पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि हस्त कलाओं के संवर्धन के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए प्रयासरत रहेगा। विशिष्ट अतिथि लघु उद्योग भारती ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और जोन प्रभारी योगेंद्र शर्मा ने डूंगरपुर में लघु उद्योग एवं हस्त कलाओं के संरक्षण के लिए लघु उद्योग भारती के माध्यम से किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। प्रारम्भ में अतिथियों ने मंत्रोच्चार के बीच फीता काट कर स्टॉल का उद्घाटन किया। सोमपुरा समाज के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोमपुरा सहित वरिष्ठ जन एवम युवाओं ने अतिथियों का स्वागत किया। स्टेशन मास्टर अशोक कुमार भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे। संचालन करते हुए लघु उद्योग भारती ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ चित्तौड प्रान्त प्रभारी पवन जैन ने सोमपुरा समाज को मूर्ति कार्य के लिए 10 बीघा भूमि आवंटन को लेकर पूर्व में हुए प्रयासों की जानकारी देते हुए प्रशासन से ऊक्त लंबित कार्य को पूर्ण कराने का आग्रह कियाए ताकि समाज के शिल्पकारों को मंच मिल सके। शिल्पग्राम जरूर बनाएंगे। सभापति कलासुआ ने कहां कि डूंगरपुर की हस्तकलाओं को मंच देने के लिए नगरपरिषद की पहली बोर्ड बैठक में शिल्पग्राम बनाने की घोषणा की गई थी। इसके लिए बोर्ड प्रयासरत है। सरकार स्तर तक प्रस्ताव भी भेजे हैं। बोर्ड हर हाल में शिल्पग्राम की घोषणा को मूर्तरूप देने के लिए कटिबद्ध है।

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर दो स्टॉल आवंटित की गई है। एक स्टॉल का संचालन सोमपुरा समाज डूंगरपुर के माध्यम से किया जा रहा है, इसमें स्थानीय पारेवा पत्थर की कलाकृतियां बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। वहीं एक अन्य स्टॉल कल्याणी सेवा संस्थान के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसमें मिट्टी से बनी कलाकृतियां तथा दैनिक उपयोग के बर्तन आदि उपलब्ध रहेंगे।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य हसमुख पंड्याए भाजपा जिला महामंत्री धनपाल जैनए ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ जिला प्रभारी हितेश सोमपुराएलघु उद्योग भारती सागवाडा इकाई अध्यक्ष कांतिलाल पाटीदार सहित बडी संख्या में सोमपुरा समाज के शिल्पकार मौजूद रहे। सागवाडा इकाई के डॉ कांतिलाल पाटीदार ने कल्याणी सेवा संस्थान द्वारा बनाए जा रहे मिट्टी के दीपकए चाय पीने के कुल्हड की जानकारी देते हुए बनाने की प्रक्रिया को जिला कलेक्टर को मौके पर जाकर दिखाते हुए जानकारी दी। हसमुख पंड्या द्वारा दिए आर्थिक सहयोग की भूरी भूरी प्रशंसा की। संचालन पवन जैन ने किया।

## युवक ने की आत्महत्या

**उदयपुर**, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में युवक ने पहाड़ी पर खंडहर मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात में प्रतापनगर थाना क्षेत्र बेड़वास स्कूल के पास मगरी पर बने खंडहर नुमा मकान में बुझड़ा हॉल बेडवास निवासी गौरव (35) पुत्र हेमराज गौड ने फांसी लगा ली। बुधवारको इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक को निचे उतार परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गौरव वाहन चलाने का काम करता था आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

# आतिशी नजारों से सतरंगी हुआ आसमान

**राजसमंद**, (निसं)। विजयादशमी के पर्व पर शहर में पहली बार तीन स्थानों पर रावण के पुतलों के आतिशी दहन के साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में लोगों की भीड उमडने से आयोजन स्थल राउमावि धोइंदा खेल मैदान, बालकृष्ण स्टेडियम कांकरोली और फव्वारा चौक राजनगर में बुधवार शाम से रात तक मेले सा नजारा दिखाई दिया।

नगर परिषद राजसमंद की ओर से इस बार कोरोना काल के चलते दो साल बाद दशहरा पर्व मनाया गया। वहीं, इस बार शहर में दो के स्थान पर तीन जगहों पर रावण के पुतलों के दहन को लेकर भी लोगों में खासा उत्साह था, जिससे तीनों स्थानों पर बडी संख्या में शहरवासी आतिशबाजी का नजारा लेने के साथ ही पुतलों का दहन देखने के लिए उमड पडे। कांकरोली में सभापति अशोक टांक, उपसभापति चुन्नीलाल पंचोली, एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी महेन्द्र मेघवंशी, सीआई कांकरोली डीपी दाधीच, मंदिर कार्यकारी अधिकारी विनित सनाढ्य, पूर्व चेयरमैन महेश पालीवाल, नेताप्रतिपक्ष हिम्मत कुमावत, रमेश राठौड नाथद्वारा, पार्षद हेमंत रजक, दिपक सोनी, भुरालाल कुमावत, शालिनी कच्छावा, हेंमत गुर्जर, राजकुमारी पालीवाल, जयदेव कच्छावा, परसराम पोरवाड सहित गणमान्य लोगों के सान्निध्य में रावण के पुतलों के दहन से पूर्व रंगारंग आतिशबाजी के नजारे नाथद्वारा के आतिशबाज लोकेश और उसके साथियों ने पेश किए। इसके तहत जमीन पर विभिन्न आकृतियों के साथ पेश की गई आतिशबाजी में मुख्य रूप से हवाई आतिशबाजी ज्यादा देर तक की गई। इसके तहत आसमान से एक से बढकर एक आतिशी नजारों से पूरा आसमान ही सतरंगी दिखाई देने लगा।

# समता नगर कॉलोनी में नौ दिवसीय गरबा की रही धूम

**उदयपुर**, (कासं)। शक्ति एवं साधना के प्रतीक मां अम्बे की स्तुति में हिरणमगरी से. 3 स्थित समता नगर कॉलोनी में नौ दिवसीय गरबा की धूम रही।

नवदुर्गा गरबा मंडल के रोशन पोखरना के अनुसार नौ दिनों तक चलने वाले गरबा नृत्य से मां दुर्गा की आराधना करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने देवी मां के विभिन्न गरबा गीतों पर नृत्य किया।

समापन के दौरान प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवदुर्गा गरबा मण्डल के रोशन पोखरना, सुनिल छाजेड, मुकेश छाजेड़, जी.एस. उपाध्याय, सुनिल मंडोवरा, पिन्टू जैन आदि ने नौ दिनों तक कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा योगदान दिया।

गरबा के दौरान निर्णायक मण्डल ने श्रेष्ठ गरबा खेलने वालों का चयन कर सम्मानित किय एवं मंगलवार 51 दीपों से माताजी की महाआरती की गई। इस दौरान पूरी कॉलोनी में भक्तिमय वातावरण रहा। कॉलोनी के सभी पुरूषो एवं महिलाओं ने पूरे कार्यक्रम का उत्साह से आनंद लिया।

## सार-समाचार

### विजेताओं को किया पुरस्कृत

**बांसवाड़ा**, (निसं)। वागड पक्षी दिवस पर बायी तालाब स्थित पृथ्वीनाथ महादेव मन्दिर पर संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें वक्ताओं ने वागड पक्षी नीलकंठ के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर नीलकंठ पेन्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी सहायक वन संरक्षक कपिल राजपुरोहित ने कहा कि नीलकंठ पक्षी को लेकर वागड पक्षी दिवस की परम्परा देश में सिर्फ बांसवाडा में है नीलकंठ खुबसूरत पक्षी है इसका धार्मिक तथा वैज्ञानिक महत्व है। अध्यक्षता करते हुए टायनी टॉट्स के निदेशक आरके अय्यर ने कहा कि पर्यावरण में पक्षियों का अत्यधिक महत्व है। यहां वागड पक्षी दिवस को लेकर नयी पीढी में उत्साह का वातावरण है। विशिष्ट अतिथि लॉयन्स क्लब के पूर्व अध्यक्ष धरणीधर पण्ड्या, कान्तिलाल पटेल, हर्ष कोठारी व युवा समाज सेवी अतीत गरासिया ने कहा कि पिछले दो दशक से भी अधिक समय से मनाए जा रहे वागड पक्षी दिवस को लेकर आमजन में उत्साह है तथा जागरूकता आयी है। पक्षी संरक्षण की दिशा में यह शुभ संकेत है। मुख्य वक्ता वागड पर्यावरण संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दीपक द्विवेदी ने कहा कि नीलकंठ की गतिविधियों को निहारना रोचक अनुभव है। समाज में नीलकंठ पक्षी के प्रति भाव को देखते हुए वागड पक्षी दिवस की शुरूआत की गयी है। इस अवसर पर मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अंजलि खरबन्दा, आश्रय सेवा संस्थान के नरोत्तम पण्ड्या, रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल सराफ, विकास मंच के अध्यक्ष गौरव शर्मा, वनपाल फरीद खान सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

### ट्रक खाई में गिरी, खलासी की मौत

**उदयपुर**, (कासं)। झाड़ोल से उदयपुर की तरफ आ रहा ट्रक अनियंत्रति होकर बीच रास्ते खाई में जा गिरा। हादसे में खलासी की मौत हो गई तथा चालक घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर में नाई थाना क्षैत्र उदयपुर झाड़ोल मार्ग अलसीगढ़ घाटे में मोड़ पर अनियंत्रित ट्रक 20 फिट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में खलासी अलसीगढ़ निवासी शैतान (35) पुत्र धर्मा की मौत हो गई तथा चालक पई निवासी प्रभूलाल घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर नाई थानाधिकारी श्यामसिंह रत्नू ने मौके पर पहुंच कर मृतक को बाहर निकाल स्थानीय चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया तथा घायल को उपचार के लिए भर्ती करवया। ट्रक में कपड़े की गाठों के अलावा कबाड़ी का सामान भरा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

### कार की टक्कर से फैरीवाले की मौत

**उदयपुर**, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे में पिण्डवाड़ा हाइवे पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में फैरीवाले की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय उदयपुर पिण्डवाड़ा हाइवे गोगुन्दा रोड़ पर कार ने बाइक को टक्कर मर दी। हादसे में बाइक चालक कन्नौज युपी हॉल उदयपुर निवासी पप्पू उर्फ रामावतार पुत्र हेमराज नायक की मौत हो गई। पप्पू फैरी पर सामन बेचने का काम करता था एवं बाइक पर उदयपुर से पिण्डवाड़ा स्थित अपने मित्रों से मिलने के लिए जा रहा था।जहां बीच रास्ते गोगुन्दा हाइवे पर उदयपुर से पिण्डवड़ा कीतरफ जा रहे कारने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने पर हेडकांस्टैबल वृद्धिसिंह एवं राजेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंच कर सूचना दी। जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### जेसीबी, नाव व 200 टन बजरी जब्त

**डूंगरपुर**, (निसं)। बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दोवडा पुलिस ने बीती देर शाम सोम कमला आंबा क्षेत्र के पेटे करेलिया में अवैध रूप से बजरी खनन में प्रयुक्त एक जेसीबी, नाव तथा अन्य संसाधन एवं 200० टन बजरी अधिग्रहित की है। जानकारी के अनुसार दोवडा थाना प्रभारी कमलेश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस दल ने बीती देर शाम को सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र के पेटे करेलिया में अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्यवाही की। जैसे ही पुलिस दल वहा पहुंच इस अवैध कार्य में लिप्त लोगों नदी में कूद कर भाग खडे हुए।


सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

विकास के पथ पर सुगम सफर

एल.आई.सी. भवन से सोडाला जंक्शन तक
एलिवेटेड रोड का लोकार्पण
लागत: 250 करोड़ रुपए | कुल लम्बाई: 4.6 कि.मी.

एवं

222 करोड़ की 6 परियोजनाओं
- राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर परिसर में गेस्ट हाउस निर्माण
- सांझरिया (संकल्प नगर) में 43 एमएलडी एसटीपी का निर्माण
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 600-900 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 1200 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- वन्देमातरम रोड से मुहाना मण्डी रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य
- लुनियावास से गोनेर रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य

का शिलान्यास

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान के
कर-कमलों द्वारा

श्री शान्ति धारीवाल
मंत्री, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन विभाग, राजस्थान की
अध्यक्षता में किया जाएगा

दिनांक: 06 अक्टूबर, 2022 | समय: सायं 6.00 बजे | स्थान: कर भवन परिसर, जनपथ, जयपुर

राजस्थान संवाद

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण https://www.facebook.com/AshokGehlot.Rajasthan और https://www.youtube.com/user/GehlotAshok पर किया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण

ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद ही तय किया जाएगा कि बुमराह की जगह कौन लेगा। टीम मैनेजमेंट अनुभवी नाम को लेने पर विचार कर रहा है जिससे शमी का दावा मजबूत - **रोहित शर्मा**

भारतीय कप्तान ने टी-20 विश्वकप से बाहर हुए बुमराह के रिप्लेसमेंट पर कहा।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** — **शोएब मलिक**

**पाकिस्तान** के हरफनमौला खिलाड़ी शोएब मलिक ने ऑस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम से बाहर होने पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तभी खेलेंगे जब कप्तान बाबर आजम चाहेंगे। क्रिकेट पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए मलिक ने खुलासा किया कि बाबर से जरूर बात होती है। वर्ल्ड कप में भी यही बात हुई थी। बाबर ने मुझसे पूछा था कि कि आप रिटायरमेंट लेना चाहते हैं या और खेलना चाहते हैं। आप क्या सोच रहे हैं। तो मैंने सीधा सा बाबर को बोला था।

**क्या आप जानते हैं ?...** टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकार्ड मैथ्यू हैडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

# डेथ ओवरों में योजनाएं बेहतर तरीके से लागू करने की आवश्यकता : द्रविड़

## द्रविड़ ने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि 'सपाट विकेटों' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं

इंदौर, 5 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि टीम को डेथ ओवरों में सुधार करने के लिये अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला में लगातार दूसरी बार 200 से अधिक रन दिये। डेथ ओवरों में भारत की गेंदबाजी एक बार फिर विस्मरणीय रही और प्रोटियाज ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन जोड़ते हुए 20 ओवर में 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। द्रविड़ ने अपने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि ''सपाट विकेटों'' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं है और भारत के खिलाफ खेलने वाली टीमों को भी इस समस्या का सामना करना पड़ा था।

द्रविड़ ने यहां मंगलवार को मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जाहिर है, आप (खेल के) सभी विभागों में बेहतर करने की कोशिश करते हैं। निश्चित रूप से डेथ बॉलिंग में भी, लेकिन अगर आप निष्पक्ष होकर देखें तो यह बहुत सपाट विकेट हैं। यहां अंतिम ओवरों में गेंदबाजी करना आसान नहीं है। केवल हमारी टीम के लिए नहीं, बल्कि दूसरी टीम के लिए भी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जिनके गेंदबाजी आक्रमण के पास बहुत अनुभव है, और उन्होंने भी अंतिम ओवरों में संघर्ष किया है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, मुझे लगता है कि हमें उन्हें नहीं खुद को देखना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं और बेहतर हो सकते हैं।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम निश्चित रूप से सुधार करना पसंद करेंगे। हम जानते हैं कि जब आप इन बड़े टूर्नामेंटों को खेलते हैं, तो गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। हर रन, बाउंड्री मायने रखती है। अगर हम उन्हें खेल के किसी भी चरण में रोक सकते हैं, तो यह निश्चित रूप से एक अंतर बनायेगा।' कोच द्रविड़ ने मध्यम गति के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की खराब फॉर्म पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गेंदबाजों को टीम की योजनाओं को बेहतर ढ ंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, वह अकेले नहीं हैं। कुल मिलाकर डेथ (ओवरों) में सभी को सुधार करने की आवश्यकता है। कभी-कभी हमारे पास कुछ अच्छी योजनाएं और रणनीतियां होती हैं लेकिन इसका बहुत हद तक निष्पादन नहीं हो पाता। इसलिए, मैं हर्षल को व्यक्तिगत रूप से बाहर नहीं करूंगा। हमें एक समूह के रूप में बेहतर करने की जरूरत है।'

चोट से लौटने के बाद हर्षल विकेट लेने और रनों को रोकने में विफल रहे हैं। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया, जबकि 8 ओवर में 99 रन दिए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने पहले मैच में 26 रन के बदले दो विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो मैचों में आठ ओवर में बिना विकेट चटकाये 89 रन दिए।

द्रविड़ ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक चिंता का विषय है। मैंने पहले भी इस सवाल का जवाब दिया है। वह ऐसा व्यक्ति रहा है जिसने पिछले कुछ वर्षों में अच्छी गेंदबाजी की है। वह खेल से डेढ़ महीने दूर रहकर वापस आ रहा है। छह सप्ताह तक नहीं खेलने के बाद गेंदबाजी करना आसान नहीं है। हम उसका समर्थन करते हैं। हम जानते हैं कि उसके पास गुणवत्ता और क्षमता है।'

द्रविड़ ने एशिया कप के बाद से तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर कहा, हमें निश्चित रूप से लड़कों पर भरोसा है। जब आप उस समूह को देखते हैं जिसे हम ऑस्ट्रेलिया ले जाएंगे, तो उन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, और डेथ ओवरों में भी अच्छा किया है। हमें सिर्फ अपनी क्षमताओं पर भरोसा करने की जरूरत है, और उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया में समय आने पर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे।

## श्रीजेश, सविता ने जीता सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार

लुसाने, 5 अक्टूबर। भारत के पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया को बुधवार को लगातार दूसरी बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुना गया। श्रीजेश ने अपने करियर के 16वें साल में भारत के लिए अपना महत्व दिखाते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सभी 16 मैचों में भाग लिया, जहां भारत तीसरे स्थान पर रहा। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी सभी छह मैच खेले, जहां भारत को रजत पदक प्राप्त हुआ।

मतदान में श्रीजेश को कुल 39.9 अंक मिले, जबकि बेल्जियम के लोइक वैन डोरेन (26.3 अंक) दूसरे और नीदरलैंड के प्राइमिन ब्लाक (23.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। ये वोट विशेषज्ञों (40 प्रतिशत), टीमों (20 प्रतिशत), प्रशंसकों (20 प्रतिशत) और मीडिया (20 प्रतिशत) द्वारा ऑनलाइन डाले गए थे।

श्रीजेश लगातार दो बार साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर पुरस्कार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले डेविड हर्ट (आयरलैंड) ने 2015 और 2016 में यह पुरस्कार हासिल किया था, जबकि बेल्जियम के विन्सेंट वनाश ने 2017 से 2019 तक लगातार तीन बार इसे जीता था। श्रीजेश ने अपनी जीत पर कहा, इसमें कोई शक नहीं, यह एक विशेष पुरस्कार है क्योंकि हॉकी प्रशंसक हमें वोट दे रहे हैं। यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। चाहे आप अपने करियर के किसी भी चरण में हों, पुरस्कार जीतना हमेशा प्रेरणा देता है। यह पुरस्कार निश्चित रूप से मुझे और सुधार करने और एक महत्वपूर्ण वर्ष में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसमें हम एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 खेलेंगे।

दूसरी ओर 32 वर्षीय सविता 37.6 अंकों के साथ मतदान में शीर्ष पर रही। अर्जेंटीना की दिग्गज बेलेन सुसी ने 26.4 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज जोसेलिन बार्टम (16 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। सविता ने जीत के बाद कहा, यह निश्चित रूप से एक बड़ा सुखद आश्चर्य है। मुझे यकीन है कि कई भारतीय हॉकी प्रशंसकों ने हमें वोट दिया और मैं उनमें से हर एक को धन्यवाद देती हूं।

सविता 'साल की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार' की 2014 में स्थापना के बाद से लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतने वाली केवल तीसरी एथलीट हैं। सविता ने एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग 2021-22 में भारत को पोडियम पर पहुंचाने के लिए टीम का नेतृत्व किया और 14 मैच खेलकर 57 गोल बचाए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सविता की कप्तानी में ही राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतकर खेलों में पदक का 16 साल का सूखा समाप्त किया। इससे पहले, भारत की युवा फॉरवर्ड मुमताज़ ख़ान मंगलवार को एफआईएच साल का उभरता हुआ खिलाड़ी (महिला) पुरस्कार से सम्मानित की गयी थीं।

## 'स्नो टाइगर' कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन

कुल्लू, 5 अक्टूबर। पर्वतारोहण की दुनिया में 'स्नो टाइगर' के नाम से जाने जाने वाले कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन हो गया है। वर्ष 1977 में सबसे मुश्किल मार्ग 'द नॉर्थ ईस्ट स्पर' भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंघा के शिखर पर पहुंचने वाले वह दुनिया के पहले भारतीय थे। 'हीरो ऑफ कंचनजंघा' कर्नल प्रेमचंद के निधन से पर्वतारोहण के एक युग का अंत हो गया है। कर्नल प्रेमचंद डोगरा ने बीती रात हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में अपनी आखिरी सांस ली। ऐसा बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। लाहौल के लिंडर गांव के रहने वाले प्रेमचंद जनजाति संस्कृति व परंपराओं के अग्रणी पक्षधर रहे। लाहौल की वादियों में रहकर ही उन्होंने पहाड़ों पर चढ़ना शुरू किया, जिसमें आगे जाकर उन्हें इसमें एक अलग पहचान दी। उनके पहाड़ों के नापने के जज्बे व जूनून को देखते हुए उन्हें सेन में स्नो टाइगर के नाम से अलंकृत किया। गौरतलब है कि कर्नल प्रेमचंद डोगरा उन पर्वतारोही में से एक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पर्वतारोहण में समर्पित कर दिया था। कर्नल प्रेमचंद ने अपने पूरे जीवन में लगभग 30 चोटियों को सफलतापूर्वक फतह किया।

## केरल, चंड़ीगढ़ का सुब्रतो कप में विजय रथ जारी

नयी दिल्ली, 5 अक्टूबर। एमआईसी ईएमएचएसएस (केरल) ने यहां बुधवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज (देहरादून) को 5-0 से हराकर सुब्रतो कप अंडर-17 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना विजय रथ जारी रखा। दूसरी ओर, राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी (चंडीगढ़ ) ने गुरुकुल (हरियाणा) को 8-0 से हराया। दिन के अन्य मुकाबलों में सीटी एचएसएस (मणिपुर) ने सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) को 5-1 से हराया जबकि राजकीय हॉलावंग स्कूल (मिजोरम) ने गंगाधरपुर विद्यामंदिर (पश्चिम बंगाल) को 3-0 से मात दी। पिलग्रिम एचएसएस (नागालैंड) ने बम्पोथेर बेंगेनाबोरी (असम) पर 2-0 से जीत दर्ज की। सेंट एंथोनी के एचएसएस (मेघालय) ने डीसीटी वसंतराव डेम्पो एचएसएस (गोवा) को 6-1 से हराया। दिन के बड़े मुकाबलों में केन्द्रीय विद्यालय, (कोचीन, केरल) ने पाथवे स्कूल (नोएडा) को 22-0 से रौंदा जबकि एमेनिटी पब्लिक स्कूल (रुद्रपुर, उत्तराखंड) ने ज्ञानमाता हाई स्कूल (सिलवासा) को 13-0 से परास्त किया। टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जाने वाली टीमों का नाम गुरुवार के मैचों के बाद निर्धारित होगा।

# टी-20 में शीर्ष रैंकिंग के करीब पहुंचे सूर्यकुमार

दुबई, 5 अक्टूबर। भारतीय मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अपनी आईसीसी टी20 रेटिंग में सुधार करते हुए शीर्ष रैंकिंग की होड़ को रोमांचक बना दिया है। आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 838 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं, जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान 854 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हालिया टी20 शृंखला में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दो अर्धशतकों के साथ कुल 119 रन बनाये। सूर्यकुमार अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद रिजवान से सिर्फ 16 अंकों की दूरी पर हैं।

सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 61(22) रनों की पारी खेलने के बाद कुछ देर के लिये रैंकिंग में पहले स्थान पर भी आये थे, लेकिन तीसरे टी20 में केवल आठ रन बनाने के कारण वह बुधवार की रैंकिंग में पुनः दूसरे स्थान पर आ गये। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान सूर्यकुमार के पास शीर्ष रैंकिंग हासिल करने का एक और मौका होगा।

दूसरी ओर, रिज़वान इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की हालिया टी20 शृंखला में 316 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज रहे। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में 23 अक्टूबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। इसी बीच, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म नवीनतम टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में 801 रेटिंग पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर आ गये हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल प्रोटियाज के खिलाफ दो मैचों में 108 रनों के दम पर सूची में सात पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (आठ पायदान के फायदे से 12वें स्थान पर), राइली रूसो (23 पायदान के फायदे से 20वें स्थान पर) और डेविड मिलर (10 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) ने भी आकर्षक बढ़त हासिल की है। भारत के अनुभवी स्पिन रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 28 पायदान की छलांग के साथ 20वां स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला से बाहर रहने के कारण हार्दिक पांड्या हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान गिरकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

## राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शूटिंग की वापसी, कुश्ती बाहर

लंदन, 5 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने बुधवार को विक्टोरिया 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिये खेल कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें शूटिंग ने वापसी की है जबकि कुश्ती को बाहर रखा गया है।

सीजीएफ, ऑस्ट्रेलिया की एंड्रयू सरकार और राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि तटीय रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स विक्टोरिया में अपना राष्ट्रमंडल खेल पदार्पण करेंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 20 खेल और 26 शास्त्र होंगे, जिसमें नौ पैरा-स्पोर्ट शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने कहा, हम 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए रोमांचित हैं, जिसमें विक्टोरिया 2026 द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त खेल एक विविध कार्यक्रम को पूरा करते हैं।

उन्होंने कहा खेल प्रतिस्पर्धी और रोमांच से भरपूर होने वाले हैं। खेलों में एक व्यापक, पूरी तरह से एकीकृत पैरा स्पोर्ट कार्यक्रम, कोस्टल रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स की शुरुआत होने वाली है जबकि शूटिंग और 33 बास्केटबॉल वापसी करेंगे।

उन्होंने कहा कार्यक्रम सीजीएफ के 2026-30 रणनीतिक रोडमैप का हिस्सा है, जो मेजबानों को नये खेलों का प्रस्ताव देने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करता है, विशेष रूप से विशिष्ट स्थानीय प्रासंगिकता वाले खेल जो सांस्कृतिक प्रदर्शन और सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाएंगे।

## दूसरे एकदिवसीय मैच के टिकट छह तक मिलेंगे

रांची, 5 अक्टूबर। भारत- दक्षिण अफ्रीका के बीच झारखंड के रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 9 अक्टूबर को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का टिकट कल सुबह स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास बने काउंटर से 6 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से संध्या 4 बजे तक बिक्री होगा। जेएससीए के सचिव ने आज यहां बताया कि टिकट बिक्री के दौरान 1 बजे से 2 बजे तक लंच ब्रेक होगा। दर्शक पेटीएम के एप पर ऑनलाइन भी टिकट बुक कर सकते हैं। सचिव ने बताया कि ऑनलाइन टिकट का पेमेंट पेटीएम एप, पेटीएम इंसाइडर एप और के द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि टिकट काउंटर से एक व्यक्ति को अधिकतम 3 टिकट ही मिलेगा और इसके लिए आधार कार्ड का फोटो कॉपी देना अनिवार्य होगा।

# भारत ने फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित की

भुवनेश्वर, 5 अक्टूबर। भारत के अंडर-17 महिला टीम के प्रमुख कोच थॉमस डेनरबी ने 11 अक्टूबर से होने जा रहे फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप 2022 के लिए 21 सदस्य टीम की बुधवार को घोषणा की। भारत को अमेरिका, मोरक्को और ब्राजील के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें भारत का पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को अमेरिका के साथ है जिसके बाद 14 अक्टूबर को मोरक्को और 17 अक्टूबर को ब्राजील के साथ टक्कर होनी है। यह तीनों मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में होंगे।

डेननरबी ने कहा, यह सभी के लिए एक नयी स्थिति है। भारत ने इससे पहले कभी वर्ल्ड कप नहीं खेला है। यह पूरी तरह से अलग खेल है। यह सबको दिखाने का एक अलग मौका है कि हमने पूरी तरह से तैयारी की है और हम किसी को भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे। हर कोई वर्ल्ड कप खेलना चाहता है लेकिन मैंने टीम में सर्वश्रेष्ठ 21 खिलाड़ियों को चुना है। उन्होंने कहा, जब आप मैदान पर होते हैं तो सबकुछ पीछे छूट जाता है और आपको केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। ये ही इन लड़कियों को करना है। मैदान पर अच्छे प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए डेनरबी ने कहा, हमारे लिए प्रदर्शन प्रमुख है। मुझे उम्मीद है कि लड़कियों पर ज्यादा दबाव नहीं है और वे आत्मविश्वास के साथ खेलेंगी। आपको एक ही समय पर दबाव में न रहते हुए प्रदर्शन करना है। ये वक्त है एक बेहतर खेल को खेलने का।

टीम में गोलकीपर के रूप में मोनालिसा देवी मोइरंगथेम (1), मेलोडी चानू कीशाम (13) और अंजलि मुंडा (21) को रखा गया है। डिफेंडर्स के तौर पर अस्तम उरांव (5), काजल (20), नकेता (3), पूर्णिमा कुमारी (2), वार्शिका (19) तथा शिल्की देवी हेमम (4) को रखा गया है।

21 सदस्य टीम में मिडफिल्डर्स के लिए बबीना देवी लिशम (6), नीतू लिंडा (17), शैलजा (15) और शुभांगी सिंह (16) को चुना गया है। फॉरवर्ड के तौर पर अनीता कुमारी (11), लिंडा कॉम सर्टो (9), नेहा (7), रेजिया देवी लैशराम (18), शेलिया देवी लोकतोंगबम (12), काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा (8), लावण्या उपाध्याय (10) और सुधा अंकिता तिर्का (14) शामिल हुए।

# 15वें खिलाड़ी के बिना ऑस्ट्रेलिया जायेगी भारतीय टीम

### चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है

मुंबई, 5 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2022 की 15-सदस्यीय स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी के बिना ही ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी। क्रिकबज ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है और वे मोहम्मद शमी के पूर्णतः स्वस्थ होने का इंतजार करेंगे। क्रिकबज ने कहा कि भारतीय टीम कुल 18 खिलाड़ियों के साथ छह अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी, लेकिन आधिकारिक स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी को फिलहाल नामित नहीं किया जायेगा। मोहम्मद शमी इस समय कोरोना से उभर रहे हैं और उन्हें बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में तलब किया गया है। भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने शमी के स्वास्थ्य के बारे में कहा था, हम इसे देख रहे हैं। हमारे पास 15 अक्टूबर तक का समय है। शमी हमारे अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल हैं। दुर्भाग्यवश वह इस (दक्षिण अफ्रीका) शृंखला में नहीं खेल सके। यह उस दृष्टिकोण से हमारे लिये आदर्श होता, लेकिन वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। हमें यह देखना है कि कोरोना के 14-15 दिन बाद उनका स्वास्थ्य कैसा है, और उसके बाद ही हम फैसला लेंगे। एनसीए की मेडिकल टीम अंतिम निर्णय लेने से पहले उनकी फिटनेस का आकलन करेगी और बीसीसीआई को रिपोर्ट करेगी। क्रिकबज़ ने कहा कि बीसीसीआई 15 अक्टूबर तक इंतजार करेगा, जो आईसीसी के नियमों के अनुसार पूरी टीम की घोषणा करने की आखिरी तारीख होगी।

# द. अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के लिए विश्व कप 2023 की दावेदारी पेश करने का मौका

लखनऊ, 5 अक्टूबर। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों के पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में खुद को साबित करने का एक और मौका होगा।

यह खिलाड़ी इससे पहले वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में भी एकदिवसीय शृंखलाएं जीतकर आ चुके हैं, जिसने निश्चित ही इन्हें आत्मविश्वास दिया होगा। शिखर धवन की कप्तानी में भारत ने वेस्ट इंडीज और ज़िम्बाब्वे दोनों को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका जैसी बड़ी टीम के खिलाफ यह एकादश पहली बार खेलने उतरेगा।

पिछली दोनों शृंखलाओं में बल्ले से रन बरसाने वाले शुभमन गिल इस सीरीज के लिये टीम में वापस आ रहे हैं। शुभमन ने अपना आखिरी मैच ज़िम्बाब्वे के साथ खेलते हुए 130 रन बनाये थे और वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी अपनी फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

कप्तान और सलामी बल्लेबाज धवन ने भी भारत में होने वाले आईसीसी विश्व कप 2023 के लिये टीम में जगह बनाने की अपनी मंशा जाहिर कर दी है। इस लिहाज से यह तीन मैच उनके लिये महत्वपूर्ण होंगे। शिखर ने पिछले एक साल में इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में खेली गयी एकदिवसीय शृंखलाओं में नियमित रूप से रन बनाये हैं, हालांकि उनका स्ट्राइक रेट रोज़ाना बदलते तेजरफ्तार खेल के अनुरूप नहीं है। रजत पाटीदार और मुकेश सिंह ने घरेलू क्रिकेट से अपना रास्ता तराशते हुए भारतीय स्क्वाड में जगह बनाई है, और यदी वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हैं तो उनके पास बड़े मंच पर अपना लोहा मनवाने का अवसर होगा।

रजत पाटीदार पिछले छह महीने में आईपीएल फाइनल और रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच में भी शतक जड़ चुके हैं। शतकवीर पाटीदार यदि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भारत की मुख्य टीम में आने के मजबूत दावेदार बन जाएंगे।

दूसरी ओर, मुकेश सिंह रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पांच विकेट लेने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। वह अपने प्रदर्शन के आधार पर डेथ ओवरों में जूझती भारतीय टीम के लिये एक अच्छे विकल्प बन सकते हैं।

## इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में टिकट को लेकर अव्यवस्थायें उजागर

लखनऊ, 5 अक्टूबर। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला खेला जाना है लेकिन मैच से पहले इकाना स्टेडियम की अव्यवस्था सामने आई है। लखनऊ में हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद लोग घंटों स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन फिर भी उनकी समस्याएं कम नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि पहले ऑनलाइन टिकट बुक किया कन्विनिएंस फीस के नाम पर एक्स्ट्रा पैसा भी दिया, उसके बावजूद स्टेडियम की तरफ से यह मैसेज आता है की बॉक्स ऑफिस पर आकर ही टिकट लेना अनिवार्य है। घंटों लाइन में लग कर जब काउंटर पर पहुंचते हैं।

## विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने के लिये यूएस गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट में भिड़ेंगे 74 गोल्फर

गुरुग्राम, 5 अक्टूबर। विश्व चैंपियनशिप और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जगह बनाने के इरादे से 74 युवा गोल्फर क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री कोर्स पर यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट के पहले सत्र में दावेदारी पेश करेंगे।

टूर्नामेंट का पहला लेग छह अक्टूबर को जबकि दूसरा लेग सात अक्टूबर को आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप खेलने वाली अदिति अशोक और क्षितिज नावीद कौल जैसे बड़े भारतीय नाम भी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली युवा प्रतिभाएं 14 आयु वर्गों में बंटी हुई हैं। लड़कों के लिये नौ आयु वर्ग हैं जबकि लड़कियों को पांच आयु वर्गों में बांटा गया है। यह गोल्फर अमेरिका के मशहूर पाइनहर्स्ट गोल्फ कोर्स में आयोजित होने वाले यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिये छह अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पॉइंट्स अर्जित करेंगे। साथ ही, इन युवाओं के पास यूएस किड्स यूरोपीय चैंपियनशिप में जगह बनाने का मौका भी होगा।

यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप ऐसे कई खिलाड़ियों के लिए एक मंच रहा है जो विश्व गोल्फ के मौजूदा परिदृश्य में सबसे बड़े सितारे बन गए हैं। इनमें विश्व नंबर एक स्कॉटी शेफ़लर, दो बार के मेजर विजेता जस्टिन थॉमस और कॉलिन मोरीकावा शामिल हैं। अमेरिका की अनुभवी गोल्फर लेक्सी थॉम्पसन यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में कई बार खिताब जीत चुकी हैं।

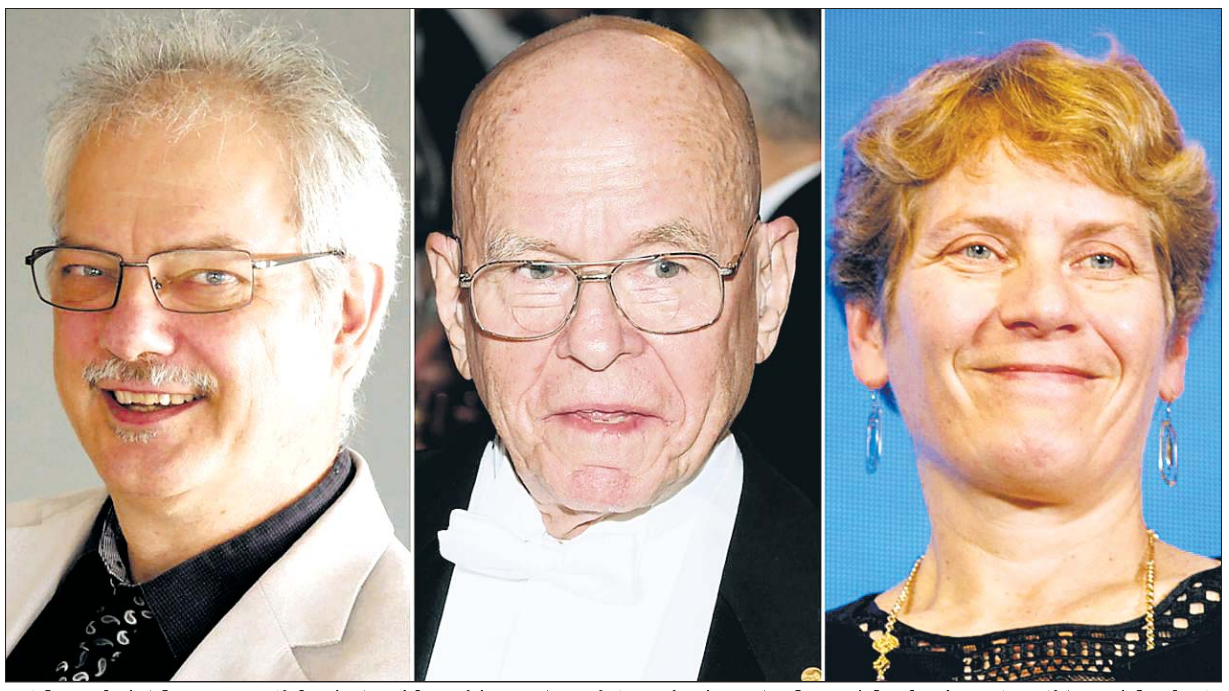

*अमेरिका की कैरोलिन आर. बर्टोज़ी और के. बैरी शार्पलैस एवं डेनमार्क के मॉर्टन मैल्डल ने ''क्लिक कैमिस्ट्री और बायोऑर्थोगोनल कैमिस्ट्री'' के विकास के लिए संयुक्त रूप से रसायन विज्ञान का वर्ष 2022 का नोबेल पुरस्कार जीता है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज़ ने बुधवार को इसकी घोषणा की। अकैडमी ने एक बयान में कहा कि, ''शार्पलैस और मैल्डल ने क्लिक कैमिस्ट्री के रूप में रसायन विज्ञान के एक क्रियात्मक प्रकार की नींव रखी है, जिसमें अणु-संबंधी रचक खण्ड जल्दी और कुशलता से एक साथ जुड़ते हैं। दूसरी ओर, कैरोलिन बर्टोज़ी ने रसायन विज्ञान को एक नये आयाम पर ले जाते हुए क्लिक कैमिस्ट्री का उपयोग जीवों में करना शुरू कर दिया है। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष ज़ोहान एक्विस्ट ने कहा, ''रसायन विज्ञान में इस वर्ष का पुरस्कार आसान और सरल चीजों के साथ काम करने के बजाय जटिल मामलों से संबंधित है। क्रियात्मक अणुओं का निर्माण एक सीधा रास्ता अपनाकर भी किया जा सकता है।'' बर्टोज़ी ने ऑनसाइट टेलीफोन इंटरव्यू में अपना रोमांच जाहिर करते हुए कहा,''खुशी के मारे मैं मुश्किल से सांस ले पा रही हूँ, मैं चकित हूँ।'' चित्र में नज़र आ रहे हैं, बाएं से दाएं, क्रमशः मॉर्टन मैल्डल, के. बैरी शार्पलैस तथा कैरोलिन आर. बर्टोज़ी।*

# 'मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एन.डी.ए/ भाजपा रिपीट हो'

## रिटायरमैंट के बाद पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक केन्द्र सरकार के खिलाफ और भी आक्रामक हुये

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक रिटायरमेंट के बाद सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो गए हैं। सतपाल मलिक ने कहा है कि, मैं तो पहले से ही इस्तीफा लेकर घूम रहा था, लेकिन अब मैं आजाद हूं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। कुछ भी कर सकता हूं और जेल तक जा सकता हूं। बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में पहुंचे मलिक ने सीधे मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। सतपाल मलिक ने अपने बयानों की सी.बी.आई. जांच को लेकर भी बात की।

मलिक ने कहा कि, मेरी 100 जांच करा दें, लेकिन अपनी एक भी करा दें तो सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरे खिलाफ कोई मुकदमा नहीं हो सकता है। मैं तो 5 कुर्ते लेकर गया था और उतने ही लेकर आ गया हूं। मैं फकीर हूं।

यही नहीं इस दौरान मलिक ने भाजपा के विरोध में अपने इरादे भी साफ कर दिया। 2024 में होने वाले आम चुनाव के बारे में मलिक बोले, मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा लेकिन वहां जाऊंगा और लड़ाई में मदद करूंगा। मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एनडीए और बीजेपी रिपीट हो। जेल जाना पड़ तो जेल जाऊंगा किसानों के लिए, न किसी पार्टी में जाऊंगा न चुनाव लड़ूंगा।

- **सतपाल मलिक ने बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में कहा, ''वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे।'' उन्होंने कहा, मैं चैलेंज देता हूं, मेरी सौ जांचें करा दो और अपनी एक भी कराकर दिखाओ।**

इस मौके पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर बोलते हुए सतपाल मलिक ने कहा कि मैंने इन लोगों को दो मामले बताए थे, लेकिन कोई जांच नहीं हुई। मलिक ने कहा कि मैंने इन्हें बताया था कि एक मंत्री फोन करता है और कहता है कि आपके यहां से बोल रहा है। उसके बारे में कहा गया कि हटाएंगे पर हटाया नहीं गया। इसी तरह मैंने गोवा में भ्रष्टाचार बताया, तो कहने लगे कि आपकी जानकारी गलत है। मैंने कहा कि मेरी जानकारी सही है। लेकिन उसे अभी भी वहीं रखे हुए हैं मुझे मेघालय भेज दिया। तो मैं इनके इस नारे में नहीं आता हूं कि ये भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं।

गौरतलब है कि, सतपाल मलिक गवर्नर रहते हुए भी बीते करीब दो सालों से केंद्र सरकार पर हमला बोलते रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान उनकी मुखरता काफी ज्यादा थी। वह किसान आंदोलन के प्रबल समर्थक थे और मोदी सरकार पर इसे लेकर हमला बोला था। हाल ही में सतपाल मलिक ने कहा था कि रिटायर होने के बाद मैं चुनावी राजनीति नहीं करूंगा, लेकिन अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के लिए मेरे मन में सॉफ्ट कॉर्नर है।

सतपाल मलिक ने कहा था कि, मैं इन लोगों को सहयोग जरूर करूंगा। लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, इसलिए उनके सिस्टम में मेरी कोई जगह नहीं हो सकती।

# 'भाजपा की गलतियों को बताने की जरूरत है'

## श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा करना चाहिये, नहीं तो भाजपा नेताओं को गलतफहमी होगी कि, वे जो कुछ भी करते हैं वह ठीक है

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने बुधवार को कहा कि, देश में आर्थिक असमानता को लेकर आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले की टिप्पणियों को गलत नहीं समझना चाहिए। प्रमोद मुतालिक ने कहा, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने देश के बारे में चिंता और दर्द के साथ बात की थी। गुस्सा दिखाने या गलत संदेश देने का कोई इरादा नहीं है। वह एक राजनेता नहीं है, यह नहीं माना जा सकता है कि वह बीजेपी के खिलाफ गए थे। आगे मुतालिक ने कहा कि बीजेपी के भीतर की गलतियों को बताने की जरूरत है। नहीं तो बीजेपी नेता सोचेंगे कि वह जो कुछ भी करते हैं और वह ठीक है।

उन्होंने कहा कि दत्तत्रेय होसबले आरएसएस में दूसरे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को बीजेपी द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत की आजादी के तुरंत बाद मुसलमानों में राष्ट्रवाद का समावेश हो गया था। देश के मुसलमानों को लेकर कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति आतंकवाद, हत्याओं और दंगों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है जो इस देश में देखे जाते हैं। मुझे विश्वास नहीं है कि भविष्य में मुसलमानों में राष्ट्रवाद बढ़ेगा। अगर आरएसएस के नेता मस्जिदों में जाते हैं तब भी उनकी मानसिकता में बदलाव नहीं होगा।

- **प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले ने देश में आर्थिक असमानता को लेकर कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा पूर्ण अधिकार होना चाहिये तथा इस मामले में होसबले को गलत नहीं समझना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, होसबले आर.एस.एस. में दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को भाजपा द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए।**

प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, हमारे पास इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि हमारे दोस्त और दुश्मन कौन हैं। हजारों सालों से हिंदू अन्य धर्मों के साथ सहिष्णुता से रह रहे हैं। हिंदू समाज में दूसरों पर हमला करने की मानसिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर यह कहना कि पी.एफ.आई. वापस आएगा, एक चेतावनी है कि, पी.एफ.आई. अभी भी सक्रिय है। उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए हिंदू समाज को पुलिस विभाग का सहयोग करना चाहिए।

# कश्मीर में दो मुठभेड़ों में चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 5 अक्टूबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने दो मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों को मार गिराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि, पहली मुठभेड़ द्राच गांव में मंगलवार रात हुई और दूसरी मुठभेड़ बुधवार तड़के दक्षिण कश्मीर के इसी जिले के मुलू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान हुई। मुठभेड़ ऐसे समय में शुरू हुई जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर थे। शाह राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद मंगलवार रात श्रीनगर पहुंचे और उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को एक और जनसभा को संबोधित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि द्राच में मुठभेड़ में मारे गए तीन स्थानीय आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। एडीजीपी ने कहा कि तीन आतंकवादियों में से हनान बिन याकूब और जमशेद के रूप में पहचाने गए आतंकवादी दो अक्टूबर, 2022 को पिंगलाना में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) जावेद डार और 24 अगस्त, 2022 को पश्चिम बंगाल के एक बाहरी मजदूर की पुलवामा में हत्या में शामिल थे।

# मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की डूबने से मौत

नसीराबाद, 5 अक्टूबर (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम नांदला के निकट एक तालाब में डूबने से 6 युवकों की मौत हो गई।

सदर थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नांदला स्थित नंदा जी की ढाणी के युवक नांदला के पास ही स्थित एक तालाब में माता जी की मूर्ति विसर्जन करने के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

विसर्जन के दौरान पैर फिसलने और फिर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में युवक पानी में डूब गए। मृतकों में ग्राम नंदा जी की ढाणी नांदला निवासी राजेंद्र पुत्र बाबूलाल रेगर, राहुल पुत्र कैलाश रेगर, लक्की पुत्र शंकर, राहुल पुत्र छितर, पवन पुत्र मोहनलाल, व शंकर पुत्र बाबूलाल, शामिल हैं।

तालाब में 6 युवकों के डूबने की सूचना मिलने पर नसीराबाद सदर थाना अधिकारी हेमराज सिंह मय जाप्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से 5 मृतकों के शव को पानी से निकालकर नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचाए।

वहीं एक मृतक शंकर के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने तलाश कर देर शाम निकाला। हादसे की सूचना आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैलने से कोहराम मच गया और सैकड़ों ग्रामीण नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचे अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकडी घनश्याम शर्मा, उपखंड अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक पूनम भरगढ़ सहित सिटी थाना व सदर थाना का पुलिस जाब्ता भी हॉस्पिटल पहुंचा। शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए गए। उपखण्ड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मृतक चिरंजीवी योजना से जुड़े हुए थे, इसलिए सभी मृतकों के परिजनों को जल्द ही नियमानुसार पांच 5-5 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी। जिला कलेक्टर सहित सभी अधिकारी भी मौके पहुंचे और प्रत्यक्ष दर्शियों से वार्ता कर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

- **यह घटना नांदला गांव की है, जहां तालाब में देवी की मूर्ति विसर्जित करते समय पैर फिसलने से हादसा हुआ और एक दूसरे को बचाने में 6 युवक डूब गए।**
- **मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रमीणों की मदद से 5 शव तुरंत निकाल लिए और एक शव देर शाम निकाला गया।**
- **सभी मृतक चिंरजीवी योजना से जुड़े हैं इसलिए सभी के परिजनों को 5-5 लाख रू. की सहायता दी जाएगी।**

## सेना का...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

अन्य सदस्यों का इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य में हुए इस हादसे की वजह का अब तक पता नहीं लग सका है। फिलहाल, जांच जारी है। दिसंबर 2021 में तत्कालीन चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत का भी हैलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया था।

उस दौरान वह भारतीय वायुसेना के सुलूर स्टेशन से कुनूर के वेलिंगटन स्थित सर्विस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना में रावत व उनकी पत्नी सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी।

## दशहरे पर...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

पर प्रहार किया था जो समाज के गरीब तबकों को ''राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिये बलि देने के साधन के रूप में काम में लेते हैं।'' 2017 में, उन्होंने कहा था कि मुस्लिम भी ''गोरक्षक'' हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कृषि से जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संरक्षण के लिये गौ-संरक्षण मूलभूत रूप से जरूरी है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि रोहिंग्या मुस्लिमों तथा जिहादियों के बीच जुड़ाव की बातें उभरकर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंनें कश्मीर में संवैधानिक संशोधन किये जाने की भी अनुशंसा की थी। इस विजयादशमी पर, आर.एस. प्रमुख ने उन वर्गों की कोशिशों को बकवास बताया, जो ''डर एवं सनसनी पैदा करके'', यह दिखाने में लगे हैं कि ''संगठित हिन्दुओं के कारण अल्पसंख्यक खतरे में हैं।'' उन्होंने कहा कि ''यह न तो अतीत में कभी हुआ है और न भविष्य में कभी होगा।'' यह न तो संघ की प्रकृति है और न हिन्दुओं की। इतिहास इस बात को सिद्ध करता है। संघ भाईचारे, सौहार्द्र एवं शान्ति के पक्ष में खड़ा रहने के लिये संकल्पित है।

इन दिनों, भागवत मुस्लिमों तक पहुँचने की योजना पर काम कर रहे हैं। वे मुस्लिम बुद्धिजीवियों तथा धार्मिक हस्तियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं ताकि सामाजिक एवं राजनैतिक मुद्दों उनके नजरिये की जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी प्रकार के संकेत यह बता रहे हैं कि आर.एस.एस. प्रमुख अल्पसंख्यकों और मुस्लिमों से राष्ट्र-निर्माण के कार्य के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन इस साल के उनके नागपुर-भाषण का असली संदेश अलग रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने उदयपुर एवं अमरावती में हुई जघन्य एवं वीभत्स का जिक्र किया, जिनमें एक दर्जी और एक फार्मासिस्ट को मार दिया गया था, क्योंकि उन्होंने भाजपा की निलम्बित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की बात का समर्थन कर दिया था। भागवत ने कहा कि जहाँ प्रतिष्ठित मुस्लिमों के वर्गों ने इन घटना के विरोध में आवाज उठाई थी, वहीं विरोध के ये तरीके अगल-थलग पड़ी घटनाओं के रूप में नहीं रहने चाहिये। उन्होंने कहा, ''विरोध बड़े पैमाने पर होना चाहिये था।'' भागवत यह कहना चाहते थे कि हिन्दू समाज ऐसी घटनाओं का जोरदार विरोध करता आया है, जिनमें कोई हिन्दू आरोपी

## चीनी का निर्यात...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभर कर सामने आया है।

यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है।

गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी दौरान बनाए गए। बयान के अनुसार, गन्ना सत्र 2021-22 के दौरान चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की है और भारत सरकार द्वारा बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) लिए हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया है।

इसी प्रकार से, चीनी सत्र के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम हो गया है, जो यह दर्शाता है कि गन्ना बकाये में से 95 प्रतिशत भुगतान पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि गन्ना सत्र 2020-21 के लिए 99.9 फीसदी से अधिक गन्ना का बकाया चुका दिया गया है।

# उत्तराखण्ड में बारातियों की बस खाई में गिरी, 32 लोगों की मौत

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, 5 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में मंगलवार देर शाम बारातियों से भरी बस के गहरी खाई में गिरने के बाद देर रात्रि शुरू हुआ राहत अभियान बुधवार शाम पूरा हो गया। इस वीभत्स दुर्घटना में कुल मृतक संख्या 32 पहुंच चुकी है जबकि कुल 18 बाराती घायल हैं।

घायल लोगों को विभिन्न चिकित्सालयों में उपचार के लिए भेजे गए हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) प्रवक्ता विनीत कुमार ने यूनीवार्ता को आज शाम यह जानकारी दी। मंगलवार शाम लगभग सात बजे हुए इस हादसे की सूचना लगभग आठ बजे एसडीआरएफ और पुलिस को मिलने के बाद राहत कार्य विधिवत शुरू हो पाए थे। इससे पहले स्थानीय ग्रामीणों ने लगभग तीन सौ फिट गहरी खाई में अंधेरे में मोबाइल फोनों की लाइट में उतर कर बचाव (रेस्क्यू) कार्य शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित राज्य आपदा नियंत्रण केन्द्र जाकर, और पौड़ी के प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर जाकर रेस्क्यू कार्यों का सुपरविजन शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री आज हरिद्वार के सांसद रमेश पोखरियाल निशंक के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू वर्क का निरीक्षण किया। रात भर ग्रामीणों, एसडीआरएफ और पुलिस के जवानों द्वारा किया गया रैस्क्यू बुधवार शाम खत्म हुआ।

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लालढांग में स्थित शिव मंदिर के निकट रहने वाले संदीप पुत्र स्व नंद राम की बरात मंगलवार दोपहर एक बजे पौड़ी जिले के कांडा गांव के लिए घर से निकली थी। बराती एक बस में सवार थे, जबकि दूल्हा संदीप कार से गया था। बरात की बस पौड़ी के बीरोंखाल सिमड़ी बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

- **300 फीट गहरी खाई में बस पलट गई। इस दुर्घटना में 18 अन्य बाराती गम्भीर रूप से घायल हुये हैं**
- **मंगलवार देर शाम को यह दुर्घटना हुई। रैस्क्यू ऑपरेशन तभी शुरु कर दिया गया और बुधवार शाम तक चला।**
- **पुलिस ने बताया कि बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद, रैस्क्यू टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने 300 फीट गहरी और अंधेरी खाई में उतरकर बचाव कार्य शुरु कर दिया था।**

# मुंबई में रिलायंस के अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई, 5 अक्टूबर। मुंबई में आज दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के एक अस्पताल को फोन कॉल करके बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के बयान के मुताबिक मामला सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल से का है। हॉस्पिटल के लैंडलाइन पर अचानक से फोन बजा। फोन उठाया तो कॉल करने वाले ने अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी।

इस मामले में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक थ्रेट कॉल अज्ञात नंबर से आया था। फोन करने वाले ने अंबानी परिवार के कुछ सदस्यों का नाम लेकर धमकी दी है। सूत्रों ने बताया कि कॉलर ने मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को भी जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने कहा है कि घटना में अपराध डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि करीब एक साल पहले ही दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था। इसके कुछ दिन बाद कार के मालिक मनसुख हिरेन का शव रेती बंदर की खाड़ी से बरामद हुआ था। इस मामले की जांच एन आई ए कर रही है।

- **मुंबई पुलिस ने बताया कि, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने अंबानी परिवार के सदस्यों का नाम लेकर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी है**
- **गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास, एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था।**

# राष्ट्रपति शी अपने आपको...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

के तहत पार्टी चेयरमैन भारी अधिकार दिए गए उसे देश की सशस्त्र सेना का मुखिया भी बनाया गया।

रॉयटर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार कई विशेषज्ञों ने बताया कि ये बदलाव शी की निजी विचारधारा को ''शी जिंनपिंग थॉट'' के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं और इसे ''माओ त्सेतुंग थॉट'' के समकक्ष ला सकते हैं

शी को पार्टी मुखिया के रूप में स्थापित करने के अलावा जो अन्य बदलाव किए जाएंगे उनमें प्रमुख हैं उनके विचारों को पार्टी का मार्गदर्शक मानना और पार्टी चेयरमैन का पद पुनः स्थापित करना जिसे 1982 में खत्म कर दिया गया था।

नब्बे के दशक से ही पार्टी संविधान में बदलाव कर नए नेतृत्व की राजनैतिक विचारधाराओं का जोड़ा जा रहा है। चाईनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) की स्थापना 1921 में हुई थी और हरेक पार्टी कांग्रेस में इसके संविधान में समय के अनुसार परिवर्तन हुआ है।

सी.सी.पी. के 10 लाख सदस्य हैं पर इसका सर्वोच्च नेतृत्व कैसे काम करता है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इस समय ''शी जिंनपिंग थॉट'' हर जगह है, जो चीन का नया ऑफिशियल डॉक्ट्रीन है। स्कूल, अखबार, टी.वी., इंटरनैट, बिल बोर्ड्स और बैनर हर जगह इनका प्रचार हो रहा है।

अधिकृत रूप से इसे ''शी जिंनपिंग थॉट आन सोशलिज़्म विद चाइनीज़ कैरेक्टरिस्टिक्स फॉर ए न्यु एरा'' कहा गया है। यह डॉक्ट्रीन तीन स्तर पर शी की पावर को मजबूत करने के बारे में है देश, पार्टी और खुद शी।''

हालिया दशकों में चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और ग्लोबल ट्रेड और निवेश का पावर हाउस बन गया था। शी जिंनपिंग थॉट अगला कदम उठाने की बात करता है तो उसका लक्ष्य चीन को ना केवल सम्पन्न बनाना है, बल्कि चीन को राजनैतिक रूप से ताकतवर बनाना भी है।

चीन के वैश्विक अभ्युदय के लिए शी चीन की सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और ''बैल्ट एण्ड रोड'' कार्यक्रमों में एक खरब डॉलर का भारी निवेश किया गया है। शी के अधीन चीन की सेना का आकार व ताकत दोनों बढ़ी है, भ्रष्ट अफसरों को हटाया जा रहा है और साउथ चाइना सी के विवादित क्षेत्र में सैन्य अड्डे बनाए जा रहे हैं।

## फर्जी नामों...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

राशन कार्ड जारी है। प्रदीप कुमार के परिवार में कुल 4 सदस्य खुद प्रदीप कुमार, उसकी पत्नी शकुंतला देवी, बेटी हरमन और बेटा शिवम कुमार हैं। लेकिन उसने महालेश्वर और साले सुभाष चंद्र पुत्र पृथ्वीचन्द्र निवासी जण्डावाली का नाम फर्जी तरीके से जुड़वा रखा है।

जबकि जण्डावाली ग्राम पंचायत में खुद सुभाष चन्द्र का नाम अलग राशन कार्ड में दर्ज है और वह राशन सामग्री प्राप्त कर रहा है। प्रदीप कुमार ने इन दोनों फर्जी नामों पर अब तक करीब 9.30 क्विंटल गेहूं उठाया है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद आयुक्त के स्तर पर करवाई गई जांच में 2 नाम फर्जी तरीके से जोड़ना पाया गया है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

# गठन के बाईस साल बाद टी...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

करना शुरु कर दिया हैं, उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से बातें की हैं, लेकिन पूरे दृढ़ निश्चय एवं तत्परता दिखाते हुये कांग्रेस को छोड़ दिया है।

यहाँ यह बता देना समीचीन होगा कि कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है तथा उसने सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। भाजपा ने भी स्वयं को के.सी.आर. को चुनौती देने वाले मुख्य दल के रूप में प्रोजेक्ट करना शुरु कर दिया है।

बुधवार को अपने राष्ट्रीय राजनैतिक दल के उद्घाटन या अपने क्षेत्रीय दल को राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप देने के महत्वपूर्ण अवसर पर के.सी.आर. ने अपनी पार्टी के नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों तथा जिला स्तरीय समन्वयकों को पार्टी मुख्यालय पर इकट्ठा किया था। प्रसंगवश बता दें कि अी.आर.एस. अप्रैल 2000 में बनी थी तथा 22 वर्ष में, उसने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को व्यक्त करने के लिये, राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप ले लिया है। रिकॉर्ड के लिये, टी.आर.एस. पार्टी की मीटिंग में, इसे ''भारत राष्ट्र समिति'' में विलय करने का प्रस्ताव पारित हो गया है। नयी पार्टी का स्वागत करते हुये, कुमारस्वामी ने कहा कि यह पार्टी विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समूह का रूप लेगी तथा क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र एवं राष्ट्र के लिये अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करने के लिये उचित मंच उपलब्ध करायेगी।

यह नवगठित पार्टी विभिन्न राज्यों में लोकसभा के लिये अपने उम्मीदवार खड़ करेगी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री इस राष्ट्रीय राजनैतिक दल के गठन के इस समारोह में उपस्थित हुये थे। उनके साथ उनके राज्य से उनकी पार्टी के 20 विधायक भी समारोह में आये थे। वी.सी.के. प्रमुख तथा सांसद तिरुमवलानन अपने एक साथी सांसद के साथ इस पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित इस समारोह में शामिल हुये थे। वस्तुतः इस समारोह में वी.सी.के. की उपस्थिति इसलिये दिलचस्प एवं उल्लेखनीय है क्योंकि वस्तुस्थिति यह है कि यह डी.एम.के.-गठबंधन पार्टनर है तथा इस प्रकार, कांग्रेस के साथ भी इसके मजबूत संबंध हैं तथा इस बात को नज़र अदांज नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कन्याकुमारी से शुरु होने के समय, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं उपस्थित हुये थे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908